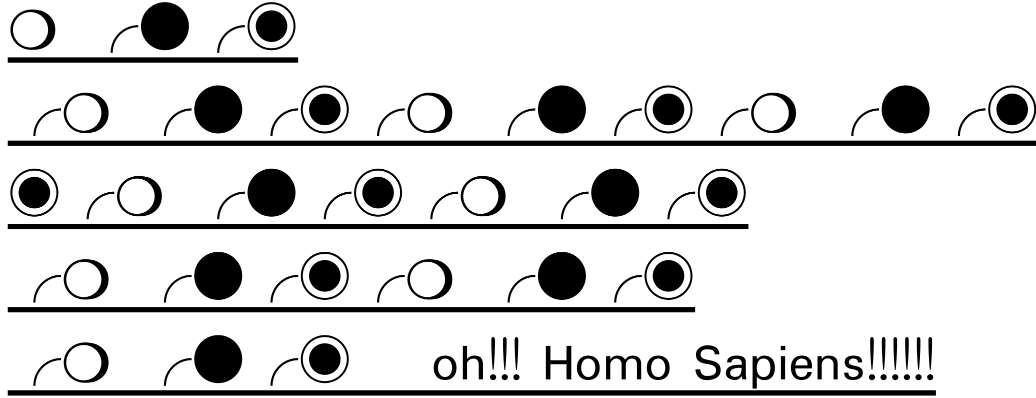
Surah Name: 19 Maryam ﷽

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے



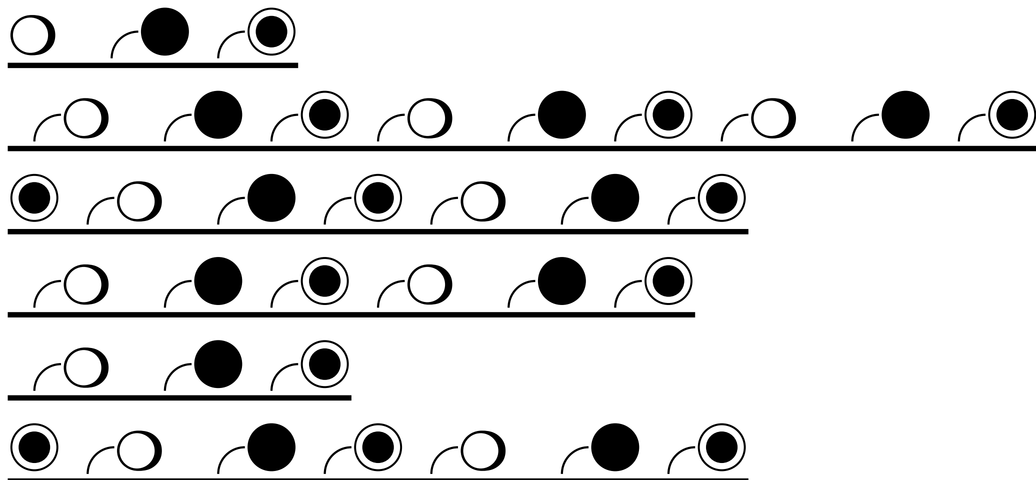
oh!!! Homo Sapiens!!!!!!

You have come unto Us alone-

అన్నీవదిలేసి ఒంటరిగా వచ్చావేంటి,

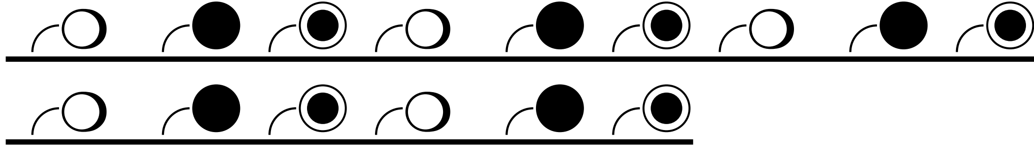
सबकुछ छोडकर अकेले ही आयेहो-

সবের ছাডে একলা এসেছৌ

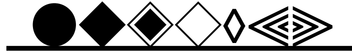


Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

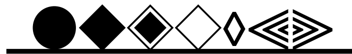
Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے



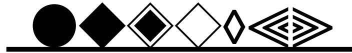
○ ● ◉अकेलेही आयेहो-एकला ఎసెఛ్ఛో-చివరియాత్ర-చెడ్డీ,లాగూ, లేకుండా,Lonely Wayfarer- صفر الآخر



Contents....المحتويات



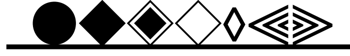
Call your assumed Saviour gods.



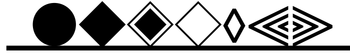
Infanticide....

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے



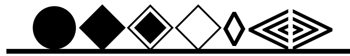
Ꭿnd truly you have come unto Us alone ، without your wealth, relatives, companions ,everything you possessed, as We created you the first time.....

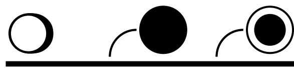


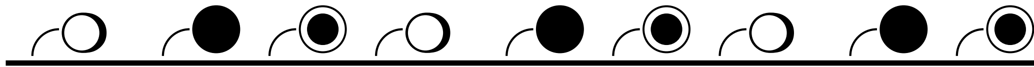
Ꮇalhamah

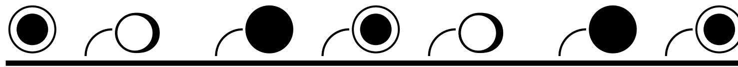
ᎷustamirranGenocidecontinuouscontiguiouscontagion

......Wuffillahum WaliᎷaa YaᎯbudoon....Ꭿmeen YaaRabbal Ꭿalameen.....

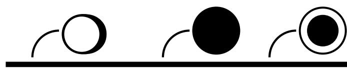












Surah Name: 19 Maryam بسم الله الرحمن الرحيم

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

%%%%%%NEGLIGENTLY INDIFFERENT غافلون%%%%%

NIKLE THE KAHAAN JAANE KE LIYE,

PAHUNCHE HAIN KAHAAN MAALOOM NAHIN

PAHUNCHE HAIN KAHAAN MAALOOM NAHIN

AB APNE BHATAKTE QADMON KO,

MANZIL KAA NISHAAN MAALOOM NAHIN

MANZIL KAA NISHAAN MAALOOM NAHIN

❄ ❄ ❄ ❄ ❄ ❄ ❄

HAMNE BHI KABHI IS DUNYA MEIN,

EK KHWAAB-E-BAHAARA DEKHAA THAA

EK KHWAAB-E-BAHAARA DEKHAA THAA

KAB PHOOL JHADE

KAB PHOOL JHADE, KAB GARD UDI,

KAB AAYI KHIZAAN MAALOOM NAHIN

KAB AAYI KHIZAAN MAALOOM~ NAHIN

AB APNE BHATAKTE QADMON KO,

MANZIL KAA NISHAAN MAALOOM NAHIN

%%%%%%%%%%%%%

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

ভদ্রা লোক, ছোটো লোক, বাবু মশাই, মাজোসি মশাই, মোল্লা মশাই,রঙীলো মশাই ---

দডা,ইকটা কানে সবর করবেন

কই গেলা রে বন্ধু কই রইলা রে

কই গেলা রে বন্ধু কই রইলা রে

আমারে ছাড়িয়ারে বন্ধু কই গেলা রে

Xxxxxxxxxxxxxx

তুমি হইও চান্দ রে বন্ধু আমি গাঙের পানি..

জোয়ারে ভাটাতে হবে নিতই জানাজানি রে

তুমি হইও ফুল রে বন্ধু আমি হবো হাওয়া..

দেশ বিদেশে ফিরবো আমি হইয়া পাগেলা রে

Xxxxxxxxxxxxx

রঙিলা রঙিলা রঙিলা রে..

আমারে ছাড়িয়ারে বন্ধু কই গেলা রে

%%%%%%%%%%%%

তবে একলা চলো, একলা চলো,

একলা চলো, একলা চলো রে।

যদি তোর ডাক শুনে কেউ না আসে

তবে একলা চলো রে।

%%%%%%%%%%%%%

चल अकेला, चल अकेला, चल अकेला

तेरा मेला पीछे छूटा राही चल अकेला

हज़ारों मील लम्बे रास्ते तुझको बुलाते

यहाँ दुखड़े सहने के वास्ते तुझको बुलाते

%%%%%%%%%%%%%

सजन रे झूठ मत बोलो अल्लाह के पास जाना है

न हाथी है न घोड़ा है

वहाँ पैदल ही जाना है..

तुम्हारे महल चौबारे यहीं रह जायेंगे सारे

****

अकड़ किस बात की प्यारे

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

ये सर फिर भी झुकाना है

भला कीजै भला होगा बुरा कीजै बुरा होगा

बही लिख-लिख के क्या होगा

वहीं सब कुछ चुकाना है

****

लड़कपन खेल में खोया

जवानी नींद भर सोया

बुढ़ापा देखकर रोया

वही किस्सा पुराना है

****

सजन रे झूठ मत बोलो

अल्लाह के पास जाना है

न हाथी है न घोड़ा है

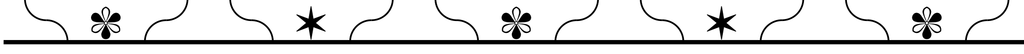
वहाँ पैदल ही जाना है

सजन रे झूठ मत बोलो अल्लाह के पास जाना है

लड़कपन खेल में खोया जवानी नींद भर सोया लड़कपन खेल में खोया जवानी नींद भर सोया बुढ़ापा देखकर रोया बुढ़ापा देखकर रोया वही किस्सा पुराना है

सजन रे झूठ मत बोलो अल्लाह के पास जाना है

न हाथी है न घोड़ा है वहाँ पैदल ही जाना है



భళి భళి భళి దేవా

బాగున్నదయా నీమాయ,

బహు బాగున్నదయా నీలీల

ఒకరికి ఖేదం ఒకరికి మోదం

సకలం తెలిసిన నీకు వినోదం

సుఖదు:ఖాలతో గుంజాటనపడు లోకము నీ చెలగాటమయా

లీలలు మాయలు నీ గుణకథలూ తెలిసినవారే ధన్యులయా "

బాగున్నదయా నీమాయ,

బహు బాగున్నదయా నీలీల

%%%%%%%%%%%

బొందితో యెక్కడికో?

తోలుతిత్తిఇది ,తూటులుతొమ్మిది-

యేకులమని లోకులడిగితే యేమనిచెప్పను-

లోకులకు-పలుకాకులకు-

ఈ పొల్లుగాకులకూ-

%%%%%%%%%%

నరకం పిలుస్తోందే!!!

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب کے سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

బతకమ్మ! బదకమ్మ! యెక్కడపోతవు,రా

ఇక్కడ ఇక్కడ రా ! రా యేగిరపడిరా

%%%%%%%%%

బహుదూరపు బాటసారీ!!!!!

ఇటురావో ఒక్కసారి, పెనుతుఫాను రేగనున్నదోయి అటు

ఇదిగో.... దేవుడు చేసిన బొమ్మ....

ఇది నిలిచేదేమో మూడు రోజులు...

బంధాలేమో లక్షలలో...

లెక్కల కందని'సుక్క',"ముక్క"లూ,లావా'దేవీ'లూ

ఇదిగో దేవుడు చేసిన బొమ్మ...

%%%%%%%

నదిలో నావ ఈ బ్రతుకు....

దైవం నడుపును తన 'బస(ئبس)'కు

యేడుపులూ,యెకసెక్కాలూ...

తప్పవులేరా కడవరకు

&&&&&&&

రాగం ద్వేషం రంగులురా...

భోగం భాగ్యం మెరుపులు రా...

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

కునికే దీపం తొణికే ప్రాణం...

నిలిచేకాలం తెలియదురా

&&&&&&&&

ఇదిగో.... దేవుడు చేసిన బొమ్మ....

ఇది నిలిచేదేమో మూడు రోజులు...

బంధాలేమో లక్షలలో....

లెక్కల కందని'సుక్క','ముక్క"లూ,లావా'దేవీ'లూ

ఇదిగో దేవుడు చేసిన బొమ్మ...

%%%%%%%%%%%

%%%%%%%%%%%



CAUTION: READ ALLAH AS ALLAAHU جل جلاله

.S.W.T.

SACRILEGE, BLASHPHEMY LEAD TO HELL.

ALLAAHU .S.W.T. IS NEITHER PARWARDEGAR NOR

KHUDA, NOR ...MIYYAH

THERE ARE THE MOST BEAUTIFUL

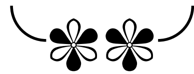
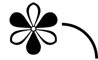
Asmaaul_Husnaa_Of Allaahu.swt,

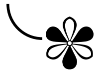
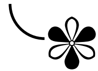
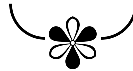
,Those who use Majoisy Raafedy Jeheemy terminology to describe Islaam will get a befitting Punishment Later on ..SAUFA تعلمونT'ALAMOON(know) wa SAUFAتألمون talamoon(Feel the pain of Torment)

Read Allah as Allaahu ﷻ .s.w.t.

Read Namaz as AsSalah, Roza As AsSaum, Darood as AsSalaatu wAsSalaam, etc

None has the right to Change The Divine Quraanic Istelahaat.i.e,Technical Terms Prescribed by AlMighty ..

  Al-A'raaf

(7:180)   



بسم اللہ الرحمن الرحیم

وَلِلَّهِ ٱلْأَسْمَآءُ ٱلْحُسْنَىٰ فَٱدْعُوهُ بِهَا وَذَرُوا۟ ٱلَّذِينَ

يُلْحِدُونَ فِىٓ أَسْمَـٰٓئِهِۦ سَيُجْزَوْنَ مَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

আর আল্লাহ্‌র জন্য রয়েছে সব উত্তম নাম। কাজেই সে নাম ধরেই তাঁকে ডাক। আর তাদেরকে বর্জন কর, যারা তাঁর নামের ব্যাপারে বাঁকা পথে চলে। তারা নিজেদের কৃতকর্মের ফল শীঘ্রই পাবে।

And (all) the Most Beautiful Names belong to Allah, so call on Him by them, and leave the company of those who belie or deny (or utter impious speech against) His Names. They will be requited for what they used to do.

अच्छे नाम अल्लाह ही के है। तो तुम उन्हीं के द्वारा उसे पुकारो और उन लोगों को छोड़ो जो उसके नामों के सम्बन्ध में कुटिलता ग्रहण करते है। जो कुछ वे करते है, उसका बदला वे पाकर रहेंगे



Al-Kahf (18:54)

وَلَقَدْ صَرَّفْنَا فِى هَـٰذَا ٱلْقُرْءَانِ لِلنَّاسِ مِن كُلِّ مَثَلٍ وَكَانَ ٱلْإِنسَـٰنُ أَكْثَرَ شَىْءٍ جَدَلًا

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

নিশ্চয় আমি এ কোরআনে মানুষকে নানাভাবে বিভিন্ন উপমার দ্বারা আমার বাণী বুঝিয়েছি। মানুষ সব বস্তু থেকে অধিক তর্কপ্রিয়।

And indeed We have put forth every kind of example in this Quran, for mankind. But, man is ever more quarrelsome than anything.

हमने लोगों के लिए इस क़ुरआन में हर प्रकार के उत्तम विषयों को तरह-तरह से बयान किया है, किन्तु मनुष्य सबसे बढ़कर झगड़ालू है



Al-Kahf (18:55)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا مَنَعَ ٱلنَّاسَ أَن يُؤْمِنُوٓا۟ إِذْ جَآءَهُمُ ٱلْهُدَىٰ وَيَسْتَغْفِرُوا۟ رَبَّهُمْ إِلَّآ أَن تَأْتِيَهُمْ سُنَّةُ ٱلْأَوَّلِينَ أَوْ يَأْتِيَهُمُ ٱلْعَذَابُ قُبُلًا

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

হেদায়েত আসার পর এ প্রতীক্ষাই শুধু মানুষকে বিশ্বাস স্থাপন করতে এবং তাদের পালনকর্তার কাছে ক্ষমা প্রার্থনা করতে বিরত রাখে যে, কখন আসবে তাদের কাছে পূর্ববর্তীদের রীতিনীতি অথবা কখন আসবে তাদের কাছেআযাব সামনাসামনি।

And nothing prevents men from believing, now when the guidance (the Quran) has come to them, and from asking Forgiveness of their Lord, except that the ways of the ancients be repeated with them (i.e. their destruction decreed by Allah), or the torment be brought to them face to face?

आख़िर लोगों को, जबकि उनके पास मार्गदर्शन आ गया, तो इस बात से कि वे ईमान लाते और अपने रब से क्षमा चाहते, इसके सिवा किसी चीज़ ने नहीं रोका कि उनके लिए वही कुछ सामने आए जो पूर्व जनों के सामने आ चुका है, यहाँ तक कि यातना

उनके सामने आ खड़ी हो



Al-Kahf (18:56)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا نُرْسِلُ ٱلْمُرْسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَ وَيُجَـٰدِلُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِٱلْبَـٰطِلِ لِيُدْحِضُوا۟ بِهِ ٱلْحَقَّ وَٱتَّخَذُوٓا۟ ءَايَـٰتِى وَمَآ أُنذِرُوا۟ هُزُوًا

আমি রাসূলগনকে সুসংবাদ দাতা ও ভয় প্রদর্শন কারীরূপেই প্রেরণ করি এবং কাফেররাই মিথ্যা অবলম্বনে বিতর্ক করে, তা দ্বারা সত্যকে ব্যর্থ করে দেয়ার উদ্দেশে এবং তারা আমার নিদর্শনাবলীও যদ্বারা তাদেরকে ভয় প্রদর্শন করা হয়, সেগুলোকে ঠাট্টারূপে গ্রহণ করেছে।

And We send not the Messengers except as giver of glad tidings and warners. But those who disbelieve, dispute with false argument, in order to refute the truth

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

thereby. And they treat My Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), and that with which they are warned, as jest and mockery!

रसूलों को हम केवल शुभ सूचना देनेवाले और सचेतकर्त्ता बनाकर भेजते है। किन्तु इनकार करनेवाले लोग है कि असत्य के सहारे झगड़ते है, ताकि सत्य को डिगा दें। उन्होंने मेरी आयतों का और जो चेतावनी उन्हें दी गई उसका मज़ाक बना दिया है



Al-Kahf (18:57)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَنۡ أَظۡلَمُ مِمَّن ذُكِّرَ بِـَٔايَٰتِ رَبِّهِۦ فَأَعۡرَضَ عَنۡهَا وَنَسِيَ مَا قَدَّمَتۡ يَدَاهُۚ إِنَّا جَعَلۡنَا عَلَىٰ قُلُوبِهِمۡ أَكِنَّةً أَن يَفۡقَهُوهُ وَفِيٓ ءَاذَانِهِمۡ وَقۡرًاۖ وَإِن تَدۡعُهُمۡ إِلَى ٱلۡهُدَىٰ فَلَن يَهۡتَدُوٓاْ إِذًا أَبَدًا

তার চাইতে অধিক জালেম কে, যাকে তার পালনকর্তার

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

কালাম দ্বারা বোঝানো হয়, অতঃপর সে তা থেকে মুখ ফিরিয়ে নেয় এবং তার পূর্ববর্তী কৃতকর্মসমূহ ভুলে যায়? আমি তাদের অন্তরের উপর পর্দা রেখে দিয়েছি, যেন তা না বোঝে এবং তাদের কানে রয়েছে বধিরতার বোঝা। যদি আপনি তাদেরকে সৎপথের প্রতি দাওয়াত দেন, তবে কখনই তারা সৎপথে আসবে না।

And who does more wrong than he who is reminded of the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) of his Lord, but turns away from them forgetting what (deeds) his hands have sent forth. Truly, We have set veils over their hearts lest they should understand this (the Quran), and in their ears, deafness. And if you (O Muhammad SAW) call them to guidance, even then they will never be guided.

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

उस व्यक्ति से बढ़कर ज़ालिम कौन होगा जिसे उसके रब की आयतों के द्वारा समझाया गया, तो उसने उनसे मुँह फेर लिया और उसे भूल गया, जो सामान उसके हाथ आगे बढ़ा चुके है? निश्चय ही हमने उनके दिलों पर परदे डाल दिए है कि कहीं वे उसे समझ न लें और उनके कानों में बोझ डाल दिया (कि कहीं वे सुन न ले) । यद्यपि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ, वे कभी भी मार्ग नहीं पा सकते



Al-Kahf (18:58)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

وَرَبُّكَ ٱلْغَفُورُ ذُو ٱلرَّحْمَةِ لَوْ يُؤَاخِذُهُم بِمَا كَسَبُوا۟ لَعَجَّلَ لَهُمُ ٱلْعَذَابَ بَل لَّهُم مَّوْعِدٌ لَّن يَجِدُوا۟ مِن دُونِهِۦ مَوْئِلًا

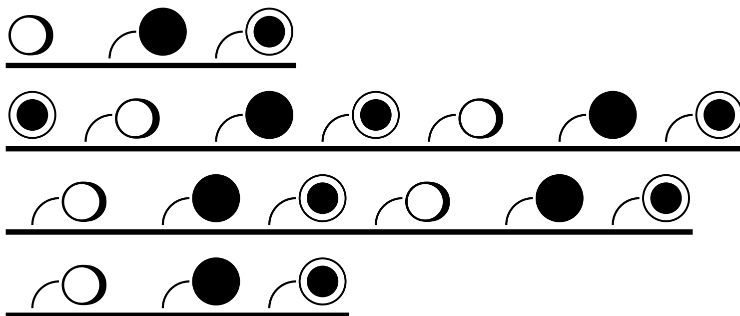
আপনার পালনকর্তা ক্ষমাশীল, দয়ালু, যদি তিনি তাদেরকে তাদের কৃতকর্মের জন্যে পাকড়াও করেন তবে তাদের শাস্তি ত্বরান্বিত করতেন, কিন্তু তাদের জন্য রয়েছে একটি প্রতিশ্রুত সময়, যা থেকে তারা সরে যাওয়ার জায়গা পাবে না।

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

And your Lord is Most Forgiving, Owner of Mercy. Were He to call them to account for what they have earned, then surely, He would have hastened their punishment. But they have their appointed time, beyond which they will find no escape.

तुम्हारा रब अत्यन्त क्षमाशील और दयावान है। यदि वह उन्हें उसपर पकड़ता जो कुछ कि उन्होंने कमाया है तो उनपर शीघ्र ही यातना ला देता। नहीं, बल्कि उनके लिए तो वादे का एक समय निश्चित है। उससे हटकर वे बच निकलने का कोई मार्ग न पाएँगे



Call your assumed Saviour gods



At-Taghaabun (64:5)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَبَؤُا۟ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ مِن قَبْلُ فَذَاقُوا۟ وَبَالَ أَمْرِهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ

তোমাদের পুর্বে যারা কাফের ছিল, তাদের বৃত্তান্ত কি তোমাদের কাছে পৌঁছেনি? তারা তাদের কর্মের শাস্তি আস্বাদন করেছে, এবং তাদের জন্যে রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি।

Has not the news reached you of those who disbelieved aforetime? And so they tasted the evil result of their disbelief, and theirs will be a painful torment.

क्या तुम्हें उन लोगों की ख़बर नहीं पहुँची जिन्होंने इससे पहले इनकार किया था, फिर उन्होंने अपने कर्म के वबाल का मज़ा चखा और उनके लिए एक दुखद यातना भी है



At-Taghaabun (64:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّهُۥ كَانَت تَّأْتِيهِمْ رُسُلُهُم بِٱلْبَيِّنَٰتِ فَقَالُوٓا۟ أَبَشَرٌ يَهْدُونَنَا فَكَفَرُوا۟ وَتَوَلَّوا۟ وَّٱسْتَغْنَى ٱللَّهُ وَٱللَّهُ غَنِىٌّ حَمِيدٌ

এটা এ কারণে যে, তাদের কাছে তাদের রসূলগণ প্রকাশ্য নিদর্শনাবলীসহ আগমন করলে তারা বলতঃ মানুষই কি আমাদেরকে পথপ্রদর্শন করবে? অতঃপর তারা কাফের হয়ে গেল এবং মুখ ফিরিয়ে নিল। এতে আল্লাহর কিছু আসে যায় না। আল্লাহ অমুখাপেক্ষী প্রশংসিত।

That was because there came to them their Messengers with clear proofs (signs), but they said: "Shall mere men guide us?" So they disbelieved and turned away (from the truth), and Allah was not in need (of them). And Allah is Rich (Free of all

wants), Worthy of all praise.

यह इस कारण कि उनके पास उनके रसूल स्पष्ट प्रमाण लेकर आते रहे, किन्तु उन्होंने कहा, "क्या मनुष्य हमें मार्ग दिखाएँगे?" इस प्रकार उन्होंने इनकार किया और मुँह फेर लिया, तब अल्लाह भी उनसे बेपरवाह हो गया। अल्लाह तो है ही निस्पृह, अपने आप में स्वयं प्रशंसित



At-Taghaabun (64:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

زَعَمَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَن لَّن يُبْعَثُوا۟ قُلْ بَلَىٰ وَرَبِّى لَتُبْعَثُنَّ ثُمَّ لَتُنَبَّؤُنَّ بِمَا عَمِلْتُمْ وَذَٰلِكَ عَلَى ٱللَّهِ يَسِيرٌ

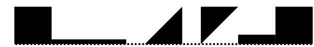
কাফেররা দাবী করে যে, তারা কখনও পুনরুত্থিত হবে না। বলুন, অবশ্যই হবে, আমার পালনকর্তার কসম, তোমরা নিশ্চয় পুনরুত্থিত হবে। অতঃপর তোমাদেরকে অবহিত করা হবে যা তোমরা করতে। এটা আল্লাহর পক্ষে সহজ।

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

The disbelievers pretend that they will never be resurrected (for the Account). Say (O Muhammad SAW): "Yes! By my Lord, you will certainly be resurrected, then you will be informed of (and recompensed for) what you did, and that is easy for Allah.

जिन लोगों ने इनकार किया उन्होंने दावा किया वे मरने के पश्चात कदापि न उठाए जाएँगे। कह दो, "क्यों नहीं, मेरे रब की क़सम! तुम अवश्य उठाए जाओगे, फिर जो कुछ तुमने किया है उससे तुम्हें अवगत करा दिया जाएगा। और अल्लाह के लिए यह अत्यन्त सरल है।"



Al-Israa (17:56)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قُلِ ٱدْعُوا۟ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُم مِّن دُونِهِۦ فَلَا يَمْلِكُونَ كَشْفَ ٱلضُّرِّ عَنكُمْ وَلَا تَحْوِيلًا

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

বলুনঃ আল্লাহ ব্যতীত যাদেরকে তোমরা উপাস্য মনে কর, তাদেরকে আহবান কর। অথচ ওরা তো তোমাদের কষ্ট দুর করার ক্ষমতা রাখে না এবং তা পরিবর্তনও করতে পারে না।

Say (O Muhammad SAW): "Call unto those besides Him whom you pretend [to be gods like angels, Iesa (Jesus), 'Uzair (Ezra), etc.]. They have neither the power to remove the adversity from you nor even to shift it from you to another person."

कह दो, "तुम उससे इतर जिनको भी पूज्य-प्रभु समझते हो उन्हें पुकार कर देखो। वे न तुमसे कोई कष्ट दूर करने का अधिकार रखते है और न उसे बदलने का।"



Al-Qasas (28:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ يُنَادِيهِمْ فَيَقُولُ أَيْنَ شُرَكَآءِىَ ٱلَّذِينَ كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

যেদিন আল্লাহ তাদেরকে আওয়াজ দিয়ে বলবেন, তোমরা যাদেরকে আমার শরীক দাবী করতে, তারা কোথায়?

And (remember) the Day when He will call to them, and say: "Where are My (so-called) partners whom you used to assert?"

ख़याल करो जिस दिन वह उन्हें पुकारेगा और कहेगा, "कहाँ है मेरे वे साझीदार जिनका तुम्हें दावा था?"



Al-Qasas (28:63)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

قَالَ ٱلَّذِينَ حَقَّ عَلَيْهِمُ ٱلْقَوْلُ رَبَّنَا هَٰٓؤُلَآءِ ٱلَّذِينَ أَغْوَيْنَآ أَغْوَيْنَٰهُمْ كَمَا غَوَيْنَا تَبَرَّأْنَآ إِلَيْكَ مَا كَانُوٓا۟ إِيَّانَا يَعْبُدُونَ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

যাদের জন্যে শাস্তির আদেশ অবধারিত হয়েছে, তারা বলবে, হে আমাদের পালনকর্তা। এদেরকেই আমরা পথভ্রষ্ট করেছিলাম। আমরা তাদেরকে পথভ্রষ্ট করেছিলাম, যেমন আমরা পথভ্রষ্ট হয়েছিলাম। আমরা আপনার সামনে দায়মুক্ত হচ্ছি। তারা কেবল আমাদেরই এবাদত করত না।

Those about whom the Word will have come true (to be punished) will say: "Our Lord! These are they whom we led astray. We led them astray, as we were astray ourselves. We declare our innocence (from them) before You. It was not us they worshipped."

जिनपर बात पूरी हो चुकी होगी, वे कहेंगे, "ऐ हमारे रब! ये वे लोग है जिन्हें हमने बहका दिया था। जैसे हम स्वयं बहके थे, इन्हें भी बहकाया। हमने तेरे आगे स्पष्ट कर दिया कि इनसे हमारा कोई सम्बन्ध नहीं। ये हमारी बन्दगी तो करते नहीं थे?"



Al-Qasas (28:64)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقِيلَ ٱدْعُوا۟ شُرَكَآءَكُمْ فَدَعَوْهُمْ فَلَمْ يَسْتَجِيبُوا۟ لَهُمْ وَرَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ لَوْ أَنَّهُمْ كَانُوا۟ يَهْتَدُونَ

বলা হবে, তোমরা তোমাদের শরীকদের আহবান কর। তখন তারা ডাকবে,। অতঃপর তারা তাদের ডাকে সাড়া দিবে না এবং তারা আযাব দেখবে। হায়! তারা যদি সৎপথ প্রাপ্ত হত।

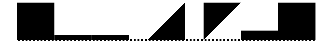
And it will be said (to them): "Call upon your (so-called) partners (of Allah), and they will call upon them, but they will give no answer to them, and they will see the torment. (They will then wish) if only they had been guided!

कहा जाएगा, "पुकारो, अपने ठहराए हुए साझीदारों को!" तो वे

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

उन्हें पुकारेंगे, किन्तु वे उनको कोई उत्तर न देंगे। और वे यातना देखकर रहेंगे। काश वे मार्ग पानेवाले होते!



Saba (34:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلِ ٱدْعُوا۟ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُم مِّن دُونِ ٱللَّهِ لَا يَمْلِكُونَ مِثْقَالَ ذَرَّةٍ فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَلَا فِى ٱلْأَرْضِ وَمَا لَهُمْ فِيهِمَا مِن شِرْكٍ وَمَا لَهُۥ مِنْهُم مِّن ظَهِيرٍ

বলুন, তোমরা তাদেরকে আহবান কর, যাদেরকে উপাস্য মনে করতে আল্লাহ ব্যতীত। তারা নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডলের অনু পরিমাণ কোন কিছুর মালিক নয়, এতে তাদের কোন অংশও নেই এবং তাদের কেউ আল্লাহর সহায়কও নয়।

Say: (O Muhammad SAW to those polytheists, pagans, etc.) "Call upon those whom you assert (to be associate gods) besides Allah, they possess not even the weight of

an atom (or a small ant), either in the heavens or on the earth, nor have they any share in either, nor there is for Him any supporter from among them.

कह दो, "अल्लाह को छोड़कर जिनका तुम्हें (उपास्य होने का) दावा है, उन्हें पुकार कर देखो। वे न अल्लाह में कणभर चीज़ के मालिक है और न धरती में और न उन दोनों में उनका कोई साझी है और न उनमें से कोई उसका सहायक है।"



Saba (34:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَنفَعُ ٱلشَّفَٰعَةُ عِندَهُۥٓ إِلَّا لِمَنْ أَذِنَ لَهُۥ ۚ حَتَّىٰٓ إِذَا فُزِّعَ عَن قُلُوبِهِمْ قَالُوا۟ مَاذَا قَالَ رَبُّكُمْ ۖ قَالُوا۟ ٱلْحَقَّ ۖ وَهُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْكَبِيرُ

যার জন্যে অনুমতি দেয়া হয়, তার জন্যে ব্যতীত আল্লাহর কাছে কারও সুপারিশ ফলপ্রসূ হবে না। যখন তাদের মন

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

থেকে ভয়-ভীতি দূর হয়ে যাবে, তখন তারা পরস্পরে বলবে, তোমাদের পালনকর্তা কি বললেন? তারা বলবে, তিনি সত্য বলেছেন এবং তিনিই সবার উপরে মহান।

Intercession with Him profits not, except for him whom He permits. Until when fear is banished from their (angels') hearts, they (angels) say: "What is it that your Lord has said?" They say: "The truth. And He is the Most High, the Most Great."

और उसके यहाँ कोई सिफ़ारिश काम नहीं आएगी, किन्तु उसी की जिसे उसने (सिफ़ारिश करने की) अनुमति दी हो। यहाँ तक कि जब उनके दिलों से घबराहट दूर हो जाएगी, तो वे कहेंगे, " तुम्हारे रब ने क्या कहा?" वे कहेंगे, "सर्वथा सत्य। और वह अत्यन्त उच्च, महान है।"



Al-An'aam (6:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ نَحْشُرُهُمْ جَمِيعًا ثُمَّ نَقُولُ لِلَّذِينَ أَشْرَكُوٓا۟ أَيْنَ شُرَكَآؤُكُمُ ٱلَّذِينَ كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

আর যেদিন আমি তাদের সবাইকে একত্রিত করব, অতঃপর যারা শিরক করেছিল, তাদের বলবঃ যাদেরকে তোমরা অংশীদার বলে ধারণা করতে, তারা কোথায়?

And on the Day when We shall gather them all together, We shall say to those who joined partners in worship (with Us): "Where are your partners (false deities) whom you used to assert (as partners in worship with Allah)?"

और उस दिन को याद करो जब हम सबको इकट्ठा करेंगे; फिर बहुदेववादियों से पूछेंगे, "कहाँ है तुम्हारे ठहराए हुए साझीदार, जिनका तुम दावा किया करते थे?"



Al-An'aam (6:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ لَمْ تَكُن فِتْنَتُهُمْ إِلَّآ أَن قَالُوا۟ وَٱللَّهِ رَبِّنَا مَا كُنَّا مُشْرِكِينَ

অতঃপর তাদের কোন অপরিচ্ছন্নতা থাকবে না; তবে এটুকুই যে তারা বলবে আমাদের প্রতিপালক আল্লাহর কসম, আমরা মুশরিক ছিলাম না।

There will then be (left) no Fitnah (excuses or statements or arguments) for them but to say: "By Allah, our Lord, we were not those who joined others in worship with Allah."

फिर उनका कोई फ़िला (उपद्रव) शेष न रहेगा। सिवाय इसके कि वे कहेंगे, "अपने रब अल्लाह की सौगन्ध! हम बहुदेववादी न

थे।"



Al-An'aam (6:24)

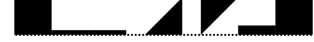
بسم الله الرحمن الرحيم

ٱنظُرْ كَيْفَ كَذَبُوا۟ عَلَىٰٓ أَنفُسِهِمْ ۚ وَضَلَّ عَنْهُم مَّا كَانُوا۟ يَفْتَرُونَ

দেখতো, কিভাবে মিথ্যা বলছে নিজেদের বিপক্ষে ? এবং যেসব বিষয় তারা আপনার প্রতি মিছামিছি রচনা করত, তা সবই উধাও হয়ে গেছে।

Look! How they lie against themselves! But the (lie) which they invented will disappear from them.

देखो, कैसा वे अपने विषय में झूठ बोले। और वह गुम होकर रह गया जो वे घड़ा करते थे



Al-An'aam (6:136)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَجَعَلُوا۟ لِلَّهِ مِمَّا ذَرَأَ مِنَ ٱلْحَرْثِ وَٱلْأَنْعَٰمِ نَصِيبًا فَقَالُوا۟ هَٰذَا لِلَّهِ بِزَعْمِهِمْ وَهَٰذَا لِشُرَكَآئِنَا فَمَا كَانَ لِشُرَكَآئِهِمْ فَلَا يَصِلُ إِلَى ٱللَّهِ وَمَا كَانَ لِلَّهِ فَهُوَ يَصِلُ إِلَىٰ شُرَكَآئِهِمْ سَآءَ مَا يَحْكُمُونَ

আল্লাহ যেসব শস্যক্ষেত্র ও জীবজন্তু সৃষ্টি করেছেন, সেগুলো থেকে তারা এক অংশ আল্লাহর জন্য নির্ধারণ করে অতঃপর নিজ ধারণা অনুসারে বলে এটা আল্লাহর এবং এটা আমাদের অংশীদারদের। অতঃপর যে অংশ তাদের অংশীদারদের, তা তো আল্লাহর দিকে পৌঁছে না এবং যা আল্লাহর তা তাদের উপাস্যদের দিকে পৌছে যায়। তাদের বিচার কতই না মন্দ।

And they assign to Allah a share of the tilth and cattle which He has created, and they say: "This is for Allah according to their pretending, and this is for our

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

(Allah's so-called) partners." But the share of their (Allah's so-called) "partners" reaches not Allah, while the share of Allah reaches their (Allah's so-called) "partners"! Evil is the way they judge!

उन्होंने अल्लाह के लिए स्वयं उसी की पैदा की हुई खेती और चौपायों में से एक भाग निश्चित किया है और अपने ख़याल से कहते है, "यह किस्सा अल्लाह का है और यह हमारे ठहराए हुए साझीदारों का है।" फिर जो उनके साझीदारों का (हिस्सा) है, वह अल्लाह को नहीं पहुँचता, परन्तु जो अल्लाह का है, वह उनके साझीदारों को पहुँच जाता है। कितना बुरा है, जो फ़ैसला वे करते है!



Al-An'aam (6:137)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَكَذَٰلِكَ زَيَّنَ لِكَثِيرٍ مِّنَ ٱلْمُشْرِكِينَ قَتْلَ أَوْلَٰدِهِمْ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

شُرَكَآؤُهُمْ لِيُرْدُوهُمْ وَلِيَلْبِسُوا۟ عَلَيْهِمْ دِينَهُمْ وَلَوْ شَآءَ ٱللَّهُ مَا فَعَلُوهُ فَذَرْهُمْ وَمَا يَفْتَرُونَ

এমনিভাবে অনেক মুশরেকের দৃষ্টিতে তাদের উপাস্যরা সন্তান হত্যাকে সুশোভিত করে দিয়েছে যেন তারা তাদেরকে বিনষ্ট করে দেয় এবং তাদের ধর্মমতকে তাদের কাছে বিভ্রান্ত করে দেয়। যদি আল্লাহ চাইতেন, তবে তারা এ কাজ করত না। অতএব, আপনি তাদেরকে এবং তাদের মনগড়া বুলিকে পরিত্যাগ করুন।

And so to many of the Mushrikun (polytheists - see V. 2:105) their (Allah's so-called) "partners" have made fair-seeming the killing of their children, in order to lead them to their own destruction and cause confusion in their religion. And if Allah had willed they would not have done so. So leave them alone with their fabrications.

इसी प्रकार बहुत-से बहुदेववादियों के लिए उनके लिए साझीदारों ने उनकी अपनी सन्तान की हत्या को सुहाना बना दिया है, ताकि उन्हें विनष्ट कर दें और उनके लिए उनके धर्म को संदिग्ध बना दें। यदि अल्लाह चाहता तो वे ऐसा न करते; तो छोड़ दो उन्हें और उनके झूठ घड़ने को



Al-An'aam (6:138)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُوا۟ هَٰذِهِۦٓ أَنْعَٰمٌ وَحَرْثٌ حِجْرٌ لَّا يَطْعَمُهَآ إِلَّا مَن نَّشَآءُ بِزَعْمِهِمْ وَأَنْعَٰمٌ حُرِّمَتْ ظُهُورُهَا وَأَنْعَٰمٌ لَّا يَذْكُرُونَ ٱسْمَ ٱللَّهِ عَلَيْهَا ٱفْتِرَآءً عَلَيْهِ سَيَجْزِيهِم بِمَا كَانُوا۟ يَفْتَرُونَ

তারা বলেঃ এসব চতুষ্পদ জন্তু ও শস্যক্ষেত্র নিষিদ্ধ। আমরা যাকে ইচছা করি, সে ছাড়া এগুলো কেউ খেতে পারবে না, তাদের ধারণা অনুসারে। আর কিছুসংখ্যক চতুষ্পদ জন্তুর পিঠে আরোহন হারাম করা হয়েছে এবং কিছু সংখ্যক

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

চতুষ্পদ জন্তুর উপর তারা ভ্রান্ত ধারনা বশতঃ আল্লাহর নাম উচ্চারণ করে না, তাদের মনগড়া বুলির কারণে, অচিরেই তিনি তাদের কে শাস্তি দিবেন।

And according to their pretending, they say that such and such cattle and crops are forbidden, and none should eat of them except those whom we allow. And (they say) there are cattle forbidden to be used for burden or any other work, and cattle on which (at slaughtering) the Name of Allah is not pronounced; lying against Him (Allah). He will recompense them for what they used to fabricate.

और वे कहते है, "ये जानवर और खेती वर्जित और सुरक्षित है। इन्हें तो केवल वही खा सकता है, जिसे हम चाहें।" - ऐसा वे स्वयं अपने ख़याल से कहते है - और कुछ चौपाए ऐसे है, जिनकी पीठों को (सवारी के लिए) हराम ठहरा लिया है और

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

कुछ जानवर ऐसे है जिनपर अल्लाह का नाम नहीं लेते। यह यह उन्होंने अल्लाह पर झूठ घड़ा है, और वह शीघ्र ही उन्हें उनके झूठ घड़ने का बदला देगा



Al-An'aam (6:139)

بسم الله الرحمن الرحيم

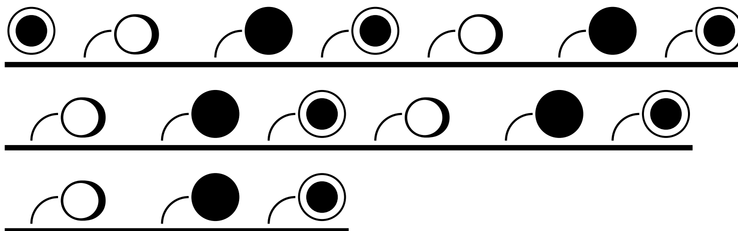
وَقَالُوا۟ مَا فِى بُطُونِ هَـٰذِهِ ٱلْأَنْعَـٰمِ خَالِصَةٌ لِّذُكُورِنَا وَمُحَرَّمٌ عَلَىٰٓ أَزْوَٰجِنَا وَإِن يَكُن مَّيْتَةً فَهُمْ فِيهِ شُرَكَآءُ سَيَجْزِيهِمْ وَصْفَهُمْ إِنَّهُۥ حَكِيمٌ عَلِيمٌ

তারা বলেঃ এসব চতুষ্পদ জন্তুর পেটে যা আছে, তা বিশেষ ভাবে আমাদের পুরুষদের জন্যে এবং আমাদের মহিলাদের জন্যে তা হারাম। যদি তা মৃত হয়, তবে তার প্রাপক হিসাবে সবাই সমান। অচিরেই তিনি তাদেরকে তাদের বর্ণনার শাস্তি দিবেন। তিনি প্রজ্ঞাময়, মহাজ্ঞানী।

And they say: "What is in the bellies of such and such cattle (milk or foetus) is

for our males alone, and forbidden to our females (girls and women), but if it is born dead, then all have shares therein." He will punish them for their attribution (of such false orders to Allah). Verily, He is All-Wise, All-Knower. (Tafsir At-Tabari, Vol. 8, Page 49).

और वे कहते है, "जो कुछ इन जानवरों के पेट में है वह बिल्कुल हमारे पुरुषों ही के लिए है और वह हमारी पत्नियों के लिए वर्जित है। परन्तु यदि वह मुर्दा हो, तो वे सब उसमें शरीक है।" शीघ्र ही वह उन्हें उनके ऐसा कहने का बदला देगा। निस्संदेह वह तत्वदर्शी, सर्वज्ञ है



Infanticide



Al-An'aam (6:140)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَدْ خَسِرَ ٱلَّذِينَ قَتَلُوٓا۟ أَوْلَٰدَهُمْ سَفَهًۢا بِغَيْرِ عِلْمٍ وَحَرَّمُوا۟ مَا رَزَقَهُمُ ٱللَّهُ ٱفْتِرَآءً عَلَى ٱللَّهِ ۚ قَدْ ضَلُّوا۟ وَمَا كَانُوا۟ مُهْتَدِينَ

নিশ্চয় তারা ক্ষতিগ্রস্ত হয়েছে, যারা নিজ সন্তানদেরকে নির্বুদ্ধিতাবশতঃ কোন প্রমাণ ছাড়াই হত্যা করেছে এবং আল্লাহ তাদেরকে যেসব দিয়েছিলেন, সেগুলোকে আল্লাহর প্রতি ভ্রান্ত ধারণা পোষণ করে হারাম করে নিয়েছে। নিশ্চিতই তারা পথভ্রষ্ট হয়েছে এবং সুপথগামী হয়নি।

Indeed lost are they who have killed their children, from folly, without knowledge, and have forbidden that which Allah has provided for them, inventing a lie against Allah. They have indeed gone astray and

were not guided.

वे लोग कुछ जाने-बूझे बिना घाटे में रहे, जिन्होंने मूर्खता के कारण अपनी सन्तान की हत्या की और जो कुछ अल्लाह ने उन्हें प्रदान किया था, उसे अल्लाह पर झूठ घड़कर हराम ठहरा दिया। वास्तव में वे भटक गए और वे सीधा मार्ग पानेवाले न हुए



Al-An'aam (6:141)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِىٓ أَنشَأَ جَنَّٰتٍ مَّعْرُوشَٰتٍ وَغَيْرَ مَعْرُوشَٰتٍ وَٱلنَّخْلَ وَٱلزَّرْعَ مُخْتَلِفًا أُكُلُهُۥ وَٱلزَّيْتُونَ وَٱلرُّمَّانَ مُتَشَٰبِهًا وَغَيْرَ مُتَشَٰبِهٍ كُلُوا۟ مِن ثَمَرِهِۦٓ إِذَآ أَثْمَرَ وَءَاتُوا۟ حَقَّهُۥ يَوْمَ حَصَادِهِۦ وَلَا تُسْرِفُوٓا۟ إِنَّهُۥ لَا يُحِبُّ ٱلْمُسْرِفِينَ

তিনিই উদ্যান সমূহ সৃষ্টি করেছে-তাও, যা মাচার উপর তুলে দেয়া হয়, এবং যা মাচার উপর তোলা হয় না এবং খর্জুর বৃক্ষ ও শস্যক্ষেত্র যেসবের স্বাদবিশিষ্ট এবং যয়তুন ও আনার

সৃষ্টি করেছেন-একে অন্যের সাদৃশ্যশীল এবং সাদৃশ্যহীন। এগুলোর ফল খাও, যখন ফলন্ত হয় এবং হক দান কর কর্তনের সময়ে এবং অপব্যয় করো না। নিশ্চয় তিনি অপব্যয়ীদেরকে পছন্দ করেন না।

And it is He Who produces gardens trellised and untrellised, and date-palms, and crops of different shape and taste (its fruits and its seeds) and olives, and pomegranates, similar (in kind) and different (in taste). Eat of their fruit when they ripen, but pay the due thereof (its Zakat, according to Allah's Orders 1/10th or 1/20th) on the day of its harvest, and waste not by extravagance. Verily, He likes not Al-Musrifun (those who waste by extravagance),

और वही है जिसने बाग़ पैदा किए; कुछ जालियों पर चढ़ाए जाते

है और कुछ नहीं चढ़ाए जाते और खजूर और खेती भी जिनकी पैदावार विभिन्न प्रकार की होती है, और ज़ैतून और अनार जो एक-दूसरे से मिलते-जुलते भी है और नहीं भी मिलते है। जब वह फल दे, तो उसका फल खाओ और उसका हक़ अदा करो जो उस (फ़सल) की कटाई के दिन वाजिब होता है। और हद से आगे न बढ़ो, क्योंकि वह हद से आगे बढ़नेवालों को पसन्द नहीं करता



Al-An'aam (6:142)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنَ ٱلْأَنْعَـٰمِ حَمُولَةً وَفَرْشًا ۚ كُلُوا۟ مِمَّا رَزَقَكُمُ ٱللَّهُ وَلَا تَتَّبِعُوا۟ خُطُوَٰتِ ٱلشَّيْطَـٰنِ ۚ إِنَّهُۥ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ

তিনি সৃষ্টি করেছেন চতুষ্পদ জন্তুর মধ্যে বোঝা বহনকারীকে এবং খর্বাকৃতিকে। আল্লাহ তোমাদেরকে যা কিছু দিয়েছেন, তা থেকে খাও এবং শয়তানের পদাঙ্ক অনুসরণ করো না। সে তোমাদের প্রকাশ্য শত্রু।

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

And of the cattle (are some) for burden (like camels etc.) and (some are) small (unable to carry burden like sheep, goats etc. for food, meat, milk, wool etc.). Eat of what Allah has provided for you, and follow not the footsteps of Shaitan (Satan). Surely he is to you an open enemy.

और चौपायों में से कुछ बोझ उठानेवाले बड़े और कुछ छोटे जानवर पैदा किए। अल्लाह ने जो कुछ तुम्हें दिया है, उसमें से खाओ और शैतान के क़दमों पर न चलो। निश्चय ही वह तुम्हारा खुला हुआ शत्रु है



Fussilat (41:50)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَئِنْ أَذَقْنَٰهُ رَحْمَةً مِّنَّا مِنۢ بَعْدِ ضَرَّآءَ مَسَّتْهُ لَيَقُولَنَّ هَٰذَا لِي وَمَآ أَظُنُّ ٱلسَّاعَةَ قَآئِمَةً وَلَئِن رُّجِعْتُ إِلَىٰ رَبِّيٓ إِنَّ لِي عِندَهُۥ لَلْحُسْنَىٰ فَلَنُنَبِّئَنَّ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ بِمَا عَمِلُواْ وَلَنُذِيقَنَّهُم مِّنۡ عَذَابٍ غَلِيظٍ

বিপদাপদ স্পর্শ করার পর আমি যদি তাকে আমার অনুগ্রহ আস্বাদন করাই, তখন সে বলতে থাকে, এটা যে আমার যোগ্য প্রাপ্য; আমি মনে করি না যে, কেয়ামত সংঘটিত হবে। আমি যদি আমার পালনকর্তার কাছে ফিরে যাই, তবে অবশ্যই তার কাছে আমার জন্য কল্যাণ রয়েছে। অতএব, আমি কাফেরদেরকে তাদের কর্ম সম্পর্কে অবশ্যই অবহিত করব এবং তাদেরকে অবশ্যই আস্বাদন করাব কঠিন শাস্তি।

And truly, if We give him a taste of mercy from us, after some adversity (severe poverty or disease, etc.) has touched him, he is sure to say: "This is for me (due to my merit), I think not that the Hour will be established. But if I am brought back to my Lord, Surely, there will be for me the best (wealth, etc.) with Him. Then, We

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

verily, will show to the disbelievers what they have done and We shall make them taste a severe torment.

और यदि उस तकलीफ़ के बाद, जो उसे पहुँची, हम उसे अपनी दयालुता का आस्वादन करा दें तो वह निश्चय ही कहेंगा, "यह तो मेरा हक़ ही है। मैं तो यह नहीं समझता कि वह, क़ियामत की घड़ी, घटित होगी और यदि मैं अपने रब की ओर लौटाया भी गया तो अवश्य ही उसके पास मेरे लिए अच्छा पारितोषिक होगा।" फिर हम उन लोगों को जिन्होंने इनकार किया, अवश्य बताकर रहेंगे, जो कुछ उन्होंने किया होगा। और हम उन्हें अवश्य ही कठोर यातना का मज़ा चखाएँगे



Fussilat (41:51)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَآ أَنْعَمْنَا عَلَى ٱلْإِنسَٰنِ أَعْرَضَ وَنَـَٔا بِجَانِبِهِۦ وَإِذَا مَسَّهُ ٱلشَّرُّ فَذُو دُعَآءٍ عَرِيضٍ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

আমি যখন মানুষের প্রতি অনুগ্রহ করি তখন সে মুখ ফিরিয়ে নেয় এবং পার্শ্ব পরিবর্তন করে। আর যখন তাকে অনিষ্ট স্পর্শ করে, তখন সুদীর্ঘ দোয়া করতে থাকে।

And when We show favour to man, he withdraws and turns away, but when evil touches him, then he has recourse to long supplications.

जब हम मनुष्य पर अनुकम्पा करते है तो वह ध्यान में नहीं लाता और अपना पहलू फेर लेता है। किन्तु जब उसे तकलीफ़ छू जाती है, तो वह लम्बी-चौड़ी प्रार्थनाएँ करने लगता है



Al-Ghaafir (40:18)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

وَأَنذِرْهُمْ يَوْمَ ٱلْـَٔازِفَةِ إِذِ ٱلْقُلُوبُ لَدَى ٱلْحَنَاجِرِ كَٰظِمِينَ مَا لِلظَّٰلِمِينَ مِنْ حَمِيمٍ وَلَا شَفِيعٍ يُطَاعُ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

আপনি তাদেরকে আসন্ন দিন সম্পর্কে সতর্ক করুন, যখন প্রাণ কন্ঠাগত হবে, দম বন্ধ হওয়ার উপক্রম হবে। পাপিষ্ঠদের জন্যে কোন বন্ধু নেই এবং সুপারিশকারীও নেই; যার সুপারিশ গ্রাহ্য হবে।

And warn them (O Muhammad SAW) of the Day that is drawing near (i.e. the Day of Resurrection), when the hearts will be choking the throats, and they can neither return them (hearts) to their chests nor can they throw them out. There will be no friend, nor an intercessor for the Zalimun (polytheists and wrong-doers, etc.), who could be given heed to.

(उन्हें अल्लाह की ओर बुलाओ) और उन्हें निकट आ जानेवाले (क़ियामत के) दिन से सावधान कर दो, जबकि उर (हृदय) कंठ को आ लगे होंगे और वे दबा रहे होंगे। ज़ालिमों का न कोई घनिष्ट मित्र होगा और न ऐसा सिफ़ारिशी जिसकी बात मानी जाए



Al-Ghaafir (40:19)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَعْلَمُ خَآئِنَةَ ٱلْأَعْيُنِ وَمَا تُخْفِى ٱلصُّدُورُ

চোখের চুরি এবং অন্তরের গোপন বিষয় তিনি জানেন।

Allah knows the fraud of the eyes, and all that the breasts conceal.

वह निगाहों की चोरी तक को जानता है और उसे भी जो सीने छिपा रहे होते है



Al-Ghaafir (40:20)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱللَّهُ يَقْضِى بِٱلْحَقِّ وَٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِهِۦ لَا يَقْضُونَ بِشَىْءٍ إِنَّ ٱللَّهَ هُوَ ٱلسَّمِيعُ ٱلْبَصِيرُ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

আল্লাহ ফয়সালা করেন সঠিকভাবে, আল্লাহর পরিবর্তে তারা যাদেরকে ডাকে, তারা কিছুই ফয়সালা করে না। নিশ্চয় আল্লাহ সবকিছু শুনেন, সবকিছু দেখেন।

And Allah judges with truth, while those to whom they invoke besides Him, cannot judge anything. Certainly, Allah! He is the All-Hearer, the All-Seer.

अल्लाह ठीक-ठीक फ़ैसला कर देगा। रहे वे लोग जिन्हें वे अल्लाह को छोड़कर पुकारते हैं, वे किसी चीज़ का भी फ़ैसला करनेवाले नहीं। निस्संदेह अल्लाह ही है जो सुनता, देखता है



Al-Ghaafir (40:21)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

أَوَلَمۡ يَسِيرُواْ فِي ٱلۡأَرۡضِ فَيَنظُرُواْ كَيۡفَ كَانَ عَٰقِبَةُ ٱلَّذِينَ كَانُواْ مِن قَبۡلِهِمۡ كَانُواْ هُمۡ أَشَدَّ مِنۡهُمۡ قُوَّةٗ

وَءَاثَارًا فِي ٱلْأَرْضِ فَأَخَذَهُمُ ٱللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ وَمَا كَانَ لَهُم مِّنَ ٱللَّهِ مِن وَاقٍ

তারা কি দেশ-বিদেশ ভ্রমণ করে না, যাতে দেখত তাদের পূর্বসুরিদের কি পরিণাম হয়েছে? তাদের শক্তি ও কীর্তি পৃথিবীতে এদের অপেক্ষা অধিকতর ছিল। অতঃপর আল্লাহ তাদেরকে তাদের গোনাহের কারণে ধৃত করেছিলেন এবং আল্লাহ থেকে তাদেরকে রক্ষাকারী কেউ হয়নি।

Have they not travelled in the land and seen what was the end of those who were before them? They were superior to them in strength, and in the traces (which they left) in the land. But Allah seized them with punishment for their sins. And none had they to protect them from Allah.

क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ, जो उनसे पहले गुज़र चुके है? वे शक्ति और धरती

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

में अपने चिन्हों की दृष्टि\ से उनसे कहीं बढ़-चढ़कर थे, फिर उनके गुनाहों के कारण अल्लाह ने उन्हें पकड़ लिया। और अल्लाह से उन्हें बचानेवाला कोई न हुआ



Al-Ghaafir (40:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانَت تَّأْتِيهِمْ رُسُلُهُم بِٱلْبَيِّنَٰتِ فَكَفَرُوا۟ فَأَخَذَهُمُ ٱللَّهُ إِنَّهُۥ قَوِىٌّ شَدِيدُ ٱلْعِقَابِ

এর কারণ এই যে, তাদের কাছে তাদের রসূলগণ সুস্পষ্ট নিদর্শনাবলী নিয়ে আগমন করত, অতঃপর তারা কাফের হয়ে যায়, তখন আল্লাহ তাদের ধৃত করেন। নিশ্চয় তিনি শক্তিধর, কঠোর শাস্তিদাতা।

That was because there came to them their Messengers with clear evidences, proofs and signs but they disbelieved (in them). So Allah seized them with punishment. Verily,

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

He is All-Strong, Severe in punishment.

वह (बुरा परिणाम) तो इसलिए सामने आया कि उनके पास उनके रसूल स्पष्ट प्रमाण लेकर आते रहे, किन्तु उन्होंने इनकार किया। अन्ततः अल्लाह ने उन्हें पकड़ लिया। निश्चय ही वह बड़ी शक्तिवाला, सज़ा देने में अत्याधिक कठोर है



Al-Jaathiya (45:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَفَرَءَيْتَ مَنِ ٱتَّخَذَ إِلَٰهَهُۥ هَوَىٰهُ وَأَضَلَّهُ ٱللَّهُ عَلَىٰ عِلْمٍ وَخَتَمَ عَلَىٰ سَمْعِهِۦ وَقَلْبِهِۦ وَجَعَلَ عَلَىٰ بَصَرِهِۦ غِشَٰوَةً فَمَن يَهْدِيهِ مِنۢ بَعْدِ ٱللَّهِ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ

আপনি কি তার প্রতি লক্ষ্য করেছেন, যে তার খেয়াল-খুশীকে স্বীয় উপাস্য স্থির করেছে? আল্লাহ জেনে শুনে তাকে পথভ্রষ্ট করেছেন, তার কান ও অন্তরে মহর এঁটে দিয়েছেন এবং তার চোখের উপর রেখেছেন পর্দা। অতএব, আল্লাহর

পর কে তাকে পথ প্রদর্শন করবে? তোমরা কি চিন্তাভাবনা কর না?

Have you seen him who takes his own lust (vain desires) as his ilah (god), and Allah knowing (him as such), left him astray, and sealed his hearing and his heart, and put a cover on his sight. Who then will guide him after Allah? Will you not then remember?

क्या तुमने उस व्यक्ति को नहीं देखा जिसने अपनी इच्छा ही को अपना उपास्य बना लिया? अल्लाह ने (उसकी स्थिति) जानते हुए उसे गुमराही में डाल दिया, और उसके कान और उसके दिल पर ठप्पा लगा दिया और उसकी आँखों पर परदा डाल दिया। फिर अब अल्लाह के पश्चात कौन उसे मार्ग पर ला सकता है? तो क्या तुम शिक्षा नहीं ग्रहण करते?



Al-Jaathiya (45:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُوا۟ مَا هِىَ إِلَّا حَيَاتُنَا ٱلدُّنْيَا نَمُوتُ وَنَحْيَا وَمَا يُهْلِكُنَآ إِلَّا ٱلدَّهْرُ وَمَا لَهُم بِذَٰلِكَ مِنْ عِلْمٍ إِنْ هُمْ إِلَّا يَظُنُّونَ

তারা বলে, আমাদের পার্থিব জীবনই তো শেষ; আমরা মরি ও বাঁচি মহাকালই আমাদেরকে ধ্বংস করে। তাদের কাছে এ ব্যাপারে কোন জ্ঞান নেই। তারা কেবল অনুমান করে কথা বলে।

And they say: "There is nothing but our life of this world, we die and we live and nothing destroys us except Ad-Dahr (the time). And they have no knowledge of it, they only conjecture.

वे कहते है, "वह तो बस हमारा सांसारिक जीवन ही है। हम मरते और जीते है। हमें तो बस काल (समय) ही विनष्ट करता है।" हालाँकि उनके पास इसका कोई ज्ञान नहीं। वे तो बस

अटकलें ही दौड़ाते है



Al-Jaathiya (45:25)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ ءَايَٰتُنَا بَيِّنَٰتٍ مَّا كَانَ حُجَّتَهُمْ إِلَّآ أَن قَالُوا۟ ٱئْتُوا۟ بِـَٔابَآئِنَآ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

তাদের কাছে যখন আমার সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ পাঠ করা হয়, তখন একথা বলা ছাড়া তাদের কোন মুক্তিই থাকে না যে, তোমরা সত্যবাদী হলে আমাদের পূর্বপুরুষদেরকে নিয়ে আস।

And when Our Clear Verses are recited to them, their argument is no other than that they say: "Bring back our (dead) fathers, if you are truthful!"

और जब उनके सामने हमारी स्पष्ट आयतें पढ़ी जाती है, तो

उनकी हुज्जत इसके सिवा कुछ और नहीं होती कि वे कहते है, "यदि तुम सच्चे हो तो हमारे बाप-दादा को ले आओ।"



Al-Muminoon (23:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَيْهَاتَ هَيْهَاتَ لِمَا تُوعَدُونَ

তোমাদেরকে যে ওয়াদা দেয়া হচ্ছে, তা কোথায় হতে পারে?

"Far, very far is that(DOOM)which you are promised.

दूर की बात है, बहुत दूर की, जिसका तुमसे वादा किया जा रहा है!



Al-Muminoon (23:37)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنْ هِيَ إِلَّا حَيَاتُنَا ٱلدُّنْيَا نَمُوتُ وَنَحْيَا وَمَا نَحْنُ بِمَبْعُوثِينَ

আমাদের পার্থিবজীবনই একমাত্র জীবন। আমরা মরি ও বাঁচি এখানেই এবং আমারা পুনরুত্থিত হবো না।

"There is nothing but our life of this world! We die and we live! And we are not going to be resurrected!

वह तो बस हमारा सांसारिक जीवन ही है। (यहीं) हम मरते और जीते है। हम कोई दोबारा उठाए जानेवाले नहीं है



Al-Muminoon (23:38)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنْ هُوَ إِلَّا رَجُلٌ ٱفْتَرَىٰ عَلَى ٱللَّهِ كَذِبًا وَمَا نَحْنُ لَهُۥ بِمُؤْمِنِينَ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥
Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

সে তো এমন ব্যক্তি বৈ নয়, যে আল্লাহ সম্বন্ধে মিথ্যা উদ্ভাবন করেছে এবং আমরা তাকে বিশ্বাস করি না।

"He is only a man who has invented a lie against Allah, but we are not going to believe in him."

वह तो बस एक ऐसा व्यक्ति है जिसने अल्लाह पर झूठ घड़ा है। हम उसे कदापि माननेवाले नहीं।"



Al-Jaathiya (45:26)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلِ ٱللَّهُ يُحْيِيكُمْ ثُمَّ يُمِيتُكُمْ ثُمَّ يَجْمَعُكُمْ إِلَىٰ يَوْمِ ٱلْقِيَٰمَةِ لَا رَيْبَ فِيهِ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ ٱلنَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ

আপনি বলুন, আল্লাহই তোমাদেরকে জীবন দান করেন, অতঃপর মৃত্যু দেন, অতঃপর তোমাদেরকে কেয়ামতের দিন

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

একত্রিত করবেন, যাতে কোন সন্দেহ নেই। কিন্তু অধিকাংশ মানুষ বোঝে না।

Say (to them): "Allah gives you life, then causes you to die, then He will assemble you on the Day of Resurrection about which there is no doubt. But most of mankind know not."

कह दो, "अल्लाह ही तुम्हें जीवन प्रदान करता है। फिर वहीं तुम्हें मृत्यु देता है। फिर वही तुम्हें क़ियामत के दिन तक इकट्ठा कर रहा है, जिसमें कोई संदेह नहीं। किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं



Al-Jaathiya (45:27)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَلِلَّهِ مُلْكُ ٱلسَّمَـٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَيَوْمَ تَقُومُ ٱلسَّاعَةُ يَوْمَئِذٍ يَخْسَرُ ٱلْمُبْطِلُونَ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

নভোমন্ডল ও ভূ-মন্ডলের রাজত্ব আল্লাহরই। যেদিন কেয়ামত সংঘটিত হবে, সেদিন মিথ্যাপন্থীরা ক্ষতিগ্রস্ত হবে।

And to Allah belongs the kingdom of the heavens and the earth. And on the Day that the Hour will be established, on that Day the followers of falsehood (polytheists, disbelievers, worshippers of false deities, etc.) shall lose (everything).

आकाशों और धरती की बादशाही अल्लाह ही की है। और जिस दिन वह घड़ी घटित होगी उस दिन झूठवाले घाटे में होंगे



Al-Jaathiya (45:28)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَتَرَىٰ كُلَّ أُمَّةٍ جَاثِيَةً كُلُّ أُمَّةٍ تُدْعَىٰٓ إِلَىٰ كِتَٰبِهَا ٱلْيَوْمَ تُجْزَوْنَ مَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

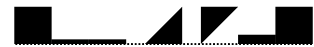
Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

আপনি প্রত্যেক উম্মতকে দেখবেন নতজানু অবস্থায়। প্রত্যেক উম্মতকে তাদের আমলনামা দেখতে বলা হবে। তোমরা যা করতে, অদ্য তোমারদেরকে তার প্রতিফল দেয়া হবে।

And you will see each nation humbled to their knees (kneeling), each nation will be called to its Record (of deeds). This Day you shall be recompensed for what you used to do.

और तुम प्रत्येक गिरोह को घुटनों के बल झुका हुआ देखोगे। प्रत्येक गिरोह अपनी किताब की ओर बुलाया जाएगा, "आज तुम्हें उसी का बदला दिया जाएगा, जो तुम करते थे



Al-Jaathiya (45:29)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَٰذَا كِتَٰبُنَا يَنطِقُ عَلَيْكُم بِٱلْحَقِّ إِنَّا كُنَّا نَسْتَنسِخُ مَا كُنتُمْ تَعْمَلُونَ

আমার কাছে রক্ষিত এই আমলনামা তোমাদের সম্পর্কে সত্য কথা বলবে। তোমরা যা করতে আমি তা লিপিবদ্ধ করতাম।

This Our Record speaks about you with truth. Verily, We were recording what you used to do (i.e. Our angels used to record your deeds).

"यह हमारी किताब है, जो तुम्हारे मुक़ाबले में ठीक-ठीक बोल रही है। निश्चय ही हम लिखवाते रहे हैं जो कुछ तुम करते थे।"



Al-Jaathiya (45:30)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

فَأَمَّا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ وَعَمِلُواْ ٱلصَّٰلِحَٰتِ فَيُدۡخِلُهُمۡ رَبُّهُمۡ فِي رَحۡمَتِهِۦۚ ذَٰلِكَ هُوَ ٱلۡفَوۡزُ ٱلۡمُبِينُ

যারা বিশ্বাস স্থাপন করেছে ও সৎকর্ম করেছে, তাদেরকে

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

তাদের পালনকর্তা স্বীয় রহমতে দাখিল করবেন। এটাই প্রকাশ্য সাফল্য।

Then, as for those who believed (in the Oneness of Allah Islamic Monotheism) and did righteous good deeds, their Lord will admit them to His Mercy. That will be the evident success.

अत: जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें उनका रब अपनी दयालुता में दाख़िल करेगा, यही स्पष्ट सफलता है



Al-Jaathiya (45:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَمَّا ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓاْ أَفَلَمۡ تَكُنۡ ءَايَٰتِي تُتۡلَىٰ عَلَيۡكُمۡ فَٱسۡتَكۡبَرۡتُمۡ وَكُنتُمۡ قَوۡمًا مُّجۡرِمِينَ

আর যারা কুফর করেছে, তাদেরকে জিজ্ঞাসা করা হবে,

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

তোমাদের কাছে কি আয়াতসমূহ পঠিত হত না? কিন্তু তোমরা অহংকার করছিলে এবং তোমরা ছিলে এক অপরাধী সম্প্রদায়।

But as for those who disbelieved (it will be said to them): "Were not Our Verses recited to you? But you were proud, and you were a people who were Mujrimun (polytheists, disbelievers, sinners, criminals)."

रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया (उनसे कहा जाएगा,) "क्या तुम्हें हमारी आयतें पढ़कर नहीं सुनाई जाती थी? किन्तु तुमने घमंड किया और तुम थे ही अपराधी लोग



Al-Jaathiya (45:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا قِيلَ إِنَّ وَعْدَ ٱللَّهِ حَقٌّ وَٱلسَّاعَةُ لَا رَيْبَ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

فِيهَا قُلۡتُم مَّا نَدۡرِي مَا ٱلسَّاعَةُ إِن نَّظُنُّ إِلَّا ظَنّٗا وَمَا نَحۡنُ بِمُسۡتَيۡقِنِينَ

যখন বলা হত, আল্লাহর ওয়াদা সত্য এবং কেয়ামতে কোন সন্দেহ নেই, তখন তোমরা বলতে আমরা জানি না কেয়ামত কি ? আমরা কেবল ধারণাই করি এবং এ বিষয়ে আমরা নিশ্চিত নই।

And when it was said: "Verily! Allah's Promise is the truth, and there is no doubt about the coming of the Hour," you said; "We know not what is the Hour, we do not think it but as a conjecture, and we have no firm convincing belief (therein)."

और जब कहा जाता था कि अल्लाह का वादा सच्चा है और (क़ियामत की) घड़ी में कोई संदेह नहीं हैं। तो तुम कहते थे, " हम नहीं जानते कि वह घड़ी क्या हैं? तो तुम कहते थे, 'हम नहीं जानते कि वह घड़ी क्या है? हमें तो बस एक अनुमान-सा

प्रतीत होता है और हमें विश्वास नहीं होता।'"



Al-Jaathiya (45:33)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

وَبَدَا لَهُمْ سَيِّـَٔاتُ مَا عَمِلُوا۟ وَحَاقَ بِهِم مَّا كَانُوا۟ بِهِۦ يَسْتَهْزِءُونَ

তাদের মন্দ কর্ম গুলো তাদের সামনে প্রকাশ হয়ে পড়বে এবং যে আযাব নিয়ে তারা ঠাট্টা-বিদ্রুপ করত, তা তাদেরকে গ্রাস করবে।

And the evil of what they did will appear to them, and they will be completely encircled by that which they used to mock at!

और जो कुछ वे करते रहे उसकी बुराइयाँ उनपर प्रकट हो गई और जिस चीज़ का वे परिहास करते थे उसी ने उन्हें आ घेरा



Al-Jaathiya (45:34)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقِيلَ ٱلْيَوْمَ نَنسَىٰكُمْ كَمَا نَسِيتُمْ لِقَآءَ يَوْمِكُمْ هَٰذَا وَمَأْوَىٰكُمُ ٱلنَّارُ وَمَا لَكُم مِّن نَّٰصِرِينَ

বলা হবে, আজ আমি তোমাদেরকে ভুলে যাব, যেমন তোমরা এ দিনের সাক্ষাৎকে ভুলে গিয়েছিলে। তোমাদের আবাসস্থল জাহান্নাম এবং তোমাদের সাহায্যকারী নেই।

And it will be said: "This Day We will forget you as you forgot the Meeting of this Day of yours. And your abode is the Fire, and there is none to help you."

और कह दिया जाएगा कि "आज हम तुम्हें भुला देते हैं जैसे तुमने इस दिन की भेंट को भुला रखा था। तुम्हारा ठिकाना अब आग है और तुम्हारा कोई सहायक नहीं



Al-Jaathiya (45:35)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

ذَٰلِكُم بِأَنَّكُمُ ٱتَّخَذْتُمْ ءَايَـٰتِ ٱللَّهِ هُزُوًا وَغَرَّتْكُمُ ٱلْحَيَوٰةُ ٱلدُّنْيَا ۚ فَٱلْيَوْمَ لَا يُخْرَجُونَ مِنْهَا وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ

এটা এজন্যে যে, তোমরা আল্লাহর আয়াতসমূহকে ঠাট্টারূপে গ্রহণ করেছিলে এবং পার্থিব জীবন তোমাদেরকে প্রতারিত করেছিল। সুতরাং আজ তাদেরকে জাহান্নাম থেকে বের করা হবে না এবং তাদের কাছে তওবা চাওয়া হবে না।

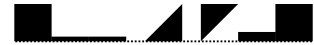
This, because you took the revelations of Allah (this Quran) in mockery, and the life of the world deceived you. So this Day, they shall not be taken out from there (Hell), nor shall they be Yusta'tabun (i.e. they shall not return to the worldly life,

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

so that they repent to Allah, and beg His Pardon for their sins).

यह इस कारण कि तुमने अल्लाह की आयतों की हँसी उड़ाई थी और सांसारिक जीवन ने तुम्हें धोखे में डाले रखा।" अतः आज वे न तो उससे निकाले जाएँगे और न उनसे यह चाहा जाएगा कि वे किसी उपाय से (अल्लाह के) प्रकोप को दूर कर सकें



Al-Jaathiya (45:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلِلَّهِ ٱلْحَمْدُ رَبِّ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَرَبِّ ٱلْأَرْضِ رَبِّ ٱلْعَٰلَمِينَ

অতএব, বিশ্বজগতের পালনকর্তা, ভূ-মন্ডলের পালনকর্তা ও নভোমন্ডলের পালনকর্তা আল্লাহর-ই প্রশংসা।

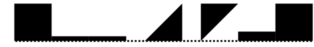
So all the praises and thanks are to Allah, the Lord of the heavens and the Lord of the earth, and the Lord of the 'Alamin

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

(mankind, jinns and all that exists).

अतः सारी प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है जो आकाशों का रब और धरती का रब, सारे संसार का रब है



Al-Jaathiya (45:37)

﷽

وَلَهُ ٱلۡكِبۡرِيَآءُ فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِۖ وَهُوَ ٱلۡعَزِيزُ ٱلۡحَكِيمُ

নভোমন্ডলে ও ভূ-মন্ডলে তাঁরই গৌরব। তিনি পরাক্রমশালী, প্রজ্ঞাময়।

And His (Alone) is the Majesty in the heavens and the earth, and He is the All-Mighty, the All-Wise.

आकाशों और धरती में बड़ाई उसी के लिए है, और वही

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी है



Al-Ghaafir (40:16)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَوْمَ هُم بَٰرِزُونَ لَا يَخْفَىٰ عَلَى ٱللَّهِ مِنْهُمْ شَىْءٌ لِّمَنِ ٱلْمُلْكُ ٱلْيَوْمَ لِلَّهِ ٱلْوَٰحِدِ ٱلْقَهَّارِ

যেদিন তারা বের হয়ে পড়বে, আল্লাহর কাছে তাদের কিছুই গোপন থাকবে না। আজ রাজত্ব কার? এক প্রবল পরাক্রান্ত আল্লাহর।

The Day when they will (all) come out, nothing of them will be hidden from Allah. Whose is the kingdom this Day? (Allah Himself will reply to His Question): It is Allah's the One, the Irresistible!

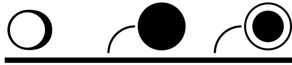
जिस दिन वे खुले रूप में सामने उपस्थित होंगे, उनकी कोई चीज़

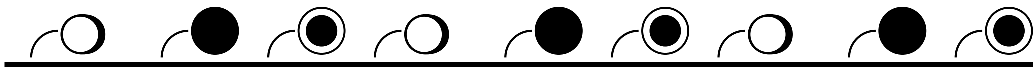
Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

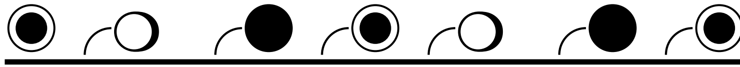
Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

अल्लाह से छिपी न रहेगी, "आज किसकी बादशाही है?" "

अल्लाह की, जो अकेला सबपर क़ाबू रखनेवाला है।"







And truly you have come unto Us alone ،without your wealth, relatives, companions ,everything you possessed, as We created you the first time.



Al-An'aam (6:94)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ جِئْتُمُونَا فُرَٰدَىٰ كَمَا خَلَقْنَٰكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَتَرَكْتُم مَّا خَوَّلْنَٰكُمْ وَرَآءَ ظُهُورِكُمْ وَمَا نَرَىٰ مَعَكُمْ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

شُفَعَآءَكُمُ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُمْ أَنَّهُمْ فِيكُمْ شُرَكَٰٓؤُا۟ لَقَد تَّقَطَّعَ بَيْنَكُمْ وَضَلَّ عَنكُم مَّا كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

اور تم ہمارے پاس تنہا تنہا آگئے جس طرح ہم نے اول بار تم کو پیدا کیا تھا اور جو کچھ ہم نے تم کو دیا تھا اس کو اپنے پیچھے ہی چھوڑ آئے اور ہم تو تمہارے ہمراہ تمہارے ان شفاعت کرنے والوں کو نہیں دیکھتے جن کی نسبت تم دعویٰ رکھتے تھے کہ وہ تمہارے معاملے میں شریک ہیں۔ واقعی تمہارے آپس میں تو قطع تعلق ہوگیا اور وہ تمہارا دعویٰ سب تم سے گیا گزرا ہوا

And truly you have come unto Us alone (without wealth, companions or anything else) as We created you the first time. You have left behind you all that which We had bestowed on you. We see not with you your intercessors whom you claimed to be partners with Allah. Now all relations between you and them have been cut off, and

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

all that you used to claim has vanished from you.

তোমরা আমার কাছে নিঃসঙ্গ হয়ে এসেছ, আমি প্রথমবার তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছিলাম। আমি তোদেরকে যা দিয়েছিলাম, তা পশ্চাতেই রেখে এসেছ। আমি তো তোমাদের সাথে তোমাদের সুপারিশকারীদের কে দেখছি না। যাদের সম্পর্কে তোমাদের দাবী ছিল যে, তারা তোমাদের ব্যাপারে অংশীদার। বাস্তুবিকই তোমাদের পরস্পরের সম্পর্ক ছিন্ন হয়ে গেছে এবং তোমাদের দাবী উধাও হয়ে গেছে।

और निश्चय ही तुम उसी प्रकार एक-एक करके हमारे पास आ गए, जिस प्रकार हमने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। और जो कुछ हमने तुम्हें दे रखा था, उसे अपने पीछे छोड़ आए और हम तुम्हारे साथ तुम्हारे उन सिफ़ारिशियों को भी नहीं देख रहे हैं, जिनके विषय में तुम दावे से कहते थे, "वे तुम्हारे मामले में शरीक है।" तुम्हारे पारस्परिक सम्बन्ध टूट चुके है और वे सब तुमसे गुम होकर रह गए, जो दावे तुम किया करते थे



Al-Kahf (18:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَعُرِضُوا۟ عَلَىٰ رَبِّكَ صَفًّا لَّقَدْ جِئْتُمُونَا كَمَا خَلَقْنَٰكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍۭ بَلْ زَعَمْتُمْ أَلَّن نَّجْعَلَ لَكُم مَّوْعِدًا

তারা আপনার পালনকর্তার সামনে পেশ হবে সারিবদ্ধ ভাবে এবং বলা হবেঃ তোমরা আমার কাছে এসে গেছ; যেমন তোমাদেরকে প্রথম বার সৃষ্টি করেছিলাম। না, তোমরা তো বলতে যে, আমি তোমাদের জন্যে কোন প্রতিশ্রুত সময় নির্দিষ্ট করব না।

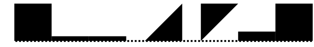
And they will be set before your Lord in (lines as) rows, (and Allah will say): "Now indeed, you have come to Us as We created you the first time. Nay, but you thought that We had appointed no meeting for you (with Us)."

Surah Name: 19 Maryam بسم اللہ الرحمن الرحیم

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

वे तुम्हारे रब के सामने पंक्तिबद्ध उपस्थित किए जाएँगे - "तुम हमारे सामने आ पहुँचे, जैसा हमने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। नहीं, बल्कि तुम्हारा तो यह दावा था कि हम तुम्हारे लिए वादा किया हुआ कोई समय लाएँगे ही नहीं।"



Al-Kahf (18:49)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

وَوُضِعَ ٱلْكِتَٰبُ فَتَرَى ٱلْمُجْرِمِينَ مُشْفِقِينَ مِمَّا فِيهِ وَيَقُولُونَ يَٰوَيْلَتَنَا مَالِ هَٰذَا ٱلْكِتَٰبِ لَا يُغَادِرُ صَغِيرَةً وَلَا كَبِيرَةً إِلَّآ أَحْصَىٰهَا وَوَجَدُوا۟ مَا عَمِلُوا۟ حَاضِرًا وَلَا يَظْلِمُ رَبُّكَ أَحَدًا

আর আমলনামা সামনে রাখা হবে। তাতে যা আছে; তার কারণে আপনি অপরাধীদেরকে ভীত-সন্ত্রস্ত দেখবেন। তারা বলবেঃ হায় আফসোস, এ কেমন আমলনামা। এ যে ছোট বড় কোন কিছুই বাদ দেয়নি-সবই এতে রয়েছে। তারা তাদের কৃতকর্মকে সামনে উপস্থিত পাবে। আপনার পালনকর্তা কারও প্রতি জুলুম করবেন না।

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

And the Book (one's Record) will be placed (in the right hand for a believer in the Oneness of Allah, and in the left hand for a disbeliever in the Oneness of Allah), and you will see the Mujrimun (criminals, polytheists, sinners, etc.), fearful of that which is (recorded) therein. They will say: "Woe to us! What sort of Book is this that leaves neither a small thing nor a big thing, but has recorded it with numbers!" And they will find all that they did, placed before them, and your Lord treats no one with injustice.

किताब (कर्मपत्रिका) रखी जाएगी तो अपराधियों को देखोंगे कि जो कुछ उसमें होगा उससे डर रहे है और कह रहे है, "हाय, हमारा दुर्भाग्य! यह कैसी किताब है कि यह न कोई छोटी बात छोड़ती है न बड़ी, बल्कि सभी को इसने अपने अन्दर समाहित

कर रखा है।" जो कुछ उन्होंने किया होगा सब मौजूद पाएँगे। तुम्हारा रब किसी पर ज़ुल्म न करेगा



Al-Kahf (18:52)

بسم الله الرحمن الرحيم

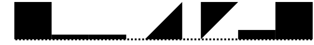
وَيَوۡمَ يَقُولُ نَادُواْ شُرَكَآءِيَ ٱلَّذِينَ زَعَمۡتُمۡ فَدَعَوۡهُمۡ فَلَمۡ يَسۡتَجِيبُواْ لَهُمۡ وَجَعَلۡنَا بَيۡنَهُم مَّوۡبِقًا

যেদিন তিনি বলবেনঃ তোমরা যাদেরকে আমার শরীক মনে করতে তাদেরকে ডাক। তারা তখন তাদেরকে ডাকবে, কিন্তু তারা এ আহবানে সাড়া দেবে না। আমি তাদের মধ্যস্থলে রেখে দেব একটি মৃত্যু গহবর।

And (remember) the Day He will say:"Call those (so-called) partners of Mine whom you pretended." Then they will cry unto them, but they will not answer them, and We shall put Maubiqa (a barrier, or enmity, or

destruction, or a valley in Hell) between them.

याद करो जिस दिन वह कहेगा, "बुलाओ मेरे साझीदारों को, जिनके साझीदार होने का तुम्हें दावा था।" तो वे उनको पुकारेंगे, किन्तु वे उन्हें कोई उत्तर न देंगे और हम उनके बीच सामूहिक विनाश-स्थल निर्धारित कर देंगे



Al-Kahf (18:53)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَرَءَا ٱلْمُجْرِمُونَ ٱلنَّارَ فَظَنُّوٓا۟ أَنَّهُم مُّوَاقِعُوهَا وَلَمْ يَجِدُوا۟ عَنْهَا مَصْرِفًا

অপরাধীরা আগুন দেখে বোঝে নেবে যে, তাদেরকে তাতে পতিত হতে হবে এবং তারা তা থেকে রাস্তা পরিবর্তন করতে পারবে না।

And the Mujrimun (criminals, polytheists,

sinners), shall see the Fire and apprehend that they have to fall therein. And they will find no way of escape from there.

अपराधी लोग आग को देखेंगे तो समझ लेंगे कि वे उसमें पड़नेवाले है और उससे बच निकलने की कोई जगह न पाएँगे



Al-An'aam (6:95)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱللَّهَ فَالِقُ ٱلْحَبِّ وَٱلنَّوَىٰ يُخْرِجُ ٱلْحَىَّ مِنَ ٱلْمَيِّتِ وَمُخْرِجُ ٱلْمَيِّتِ مِنَ ٱلْحَىِّ ذَٰلِكُمُ ٱللَّهُ فَأَنَّىٰ تُؤْفَكُونَ

Verily! It is Allah Who causes the seed-grain and the fruit-stone (like date-stone, etc.) to split and sprout. He brings forth the living from the dead, and

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

it is He Who brings forth the dead from the living. Such is Allah, then how are you deluded away from the truth?

নিশ্চয় আল্লাহই বীজ ও আঁটি থেকে অঙ্কুর সৃষ্টিকারী; তিনি জীবিতকে মৃত থেকে বের করেন ও মৃতকে জীবিত থেকে বের করেন। তিনি আল্লাহ অতঃপর তোমরা কোথায় বিভ্রান্ত হচ্ছ?

निश्चय ही अल्लाह दाने और गुठली को फाड़ निकालता है, सजीव को निर्जीव से निकालता है और निर्जीव को सजीव से निकालनेवाला है। वही अल्लाह है - फिर तुम कहाँ औंधे हुए जाते हो? -



Al-An'aam (6:96)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَالِقُ ٱلۡإِصۡبَاحِ وَجَعَلَ ٱلَّيۡلَ سَكَنًا وَٱلشَّمۡسَ وَٱلۡقَمَرَ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

حُسْبَانًا ذَٰلِكَ تَقْدِيرُ ٱلْعَزِيزِ ٱلْعَلِيمِ

وہ صبح کا نکالنے والا ہے اور اس نے رات کو راحت کی چیز بنا یا ہے اور سورج اور چاند کو حساب سے رکھا ہے۔ یہ ٹھہرائی بات ہے ایسی ذات کی جو کہ قادر ہے بڑے علم والا ہے

(He is the) Cleaver of the daybreak. He has appointed the night for resting, and the sun and the moon for reckoning. Such is the measuring of the All-Mighty, the All-Knowing.

তিনি প্রভাত রশ্মির উন্মেষক। তিনি রাত্রিকে আরামদায়ক করেছেন এবং সূর্য ও চন্দ্রকে হিসেবের জন্য রেখেছেন। এটি পরাক্রান্ত, মহাজ্ঞানীর নির্ধারণ।

पौ फाड़ता है, और उसी ने रात को आराम के लिए बनाया और सूर्य और चन्द्रमा को (समय के) हिसाब का साधन ठहराया। यह

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

बड़े शक्तिमान, सर्वज्ञ का ठहराया हुआ परिणाम है



Al-An'aam (6:97)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَهُوَ ٱلَّذِي جَعَلَ لَكُمُ ٱلنُّجُومَ لِتَهْتَدُوا۟ بِهَا فِي ظُلُمَٰتِ ٱلْبَرِّ وَٱلْبَحْرِ قَدْ فَصَّلْنَا ٱلْءَايَٰتِ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ

اور وہ ایسا ہے جس نے تمہارے لئے ستاروں کو پیدا کیا، تاکہ تم ان کے ذریعہ سے اندھیروں میں، خشکی میں اور دریا میں بھی راستہ معلوم کرسکو۔ بےشک ہم نے دلائل خوب کھول کھول کر بیان کردیئے ہیں ان لوگوں کے لئے جو خبر رکھتے ہیں

It is He Who has set the stars for you, so that you may guide your course with their help through the darkness of the land and the sea. We have (indeed) explained in detail Our Ayat (proofs, evidences, verses,

lessons, signs, Revelations, etc.) for people who know.

তিনিই তোমাদের জন্য নক্ষত্রপুঞ্জ সৃজন করেছেন যাতে তোমরা স্থল ও জলের অন্ধকারে পথ প্রাপ্ত হও। নিশ্চয় যারা জ্ঞানী তাদের জন্যে আমি নির্দেশনাবলী বিস্তারিত বর্ণনা করে দিয়েছি।

और वही है जिसने तुम्हारे लिए तारे बनाए, ताकि तुम उनके द्वारा स्थल और समुद्र के अंधकारों में मार्ग पा सको। जो लोग जानना चाहे उनके लिए हमने निशानियाँ खोल-खोलकर बयान कर दी है



Al-An'aam (6:98)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِىٓ أَنشَأَكُم مِّن نَّفْسٍ وَٰحِدَةٍ فَمُسْتَقَرٌّ وَمُسْتَوْدَعٌ قَدْ فَصَّلْنَا ٱلْـَٔايَـٰتِ لِقَوْمٍ يَفْقَهُونَ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

اور وہ ایسا ہے جس نے تم کو ایک شخص سے پیدا کیا پھر ایک جگہ زیادہ رہنے کی ہے اور ایک جگہ چندے، رہنے کی بےشک ہم نےدلائل خوب کھول کھول کر بیان کردیئے ان لوگوں کے لئے جو سمجھ بوجھ رکھتے ہیں

It is He Who has created you from a single person (Adam), and has given you a place of residing (on the earth or in your mother's wombs) and a place of storage [in the earth (in your graves) or in your father's loins]. Indeed, We have explained in detail Our revelations (this Quran) for people who understand.

তিনিই তোমাদের কে এক ব্যক্তি থেকে সৃষ্টি করেছেন। অনন্তর একটি হচ্ছে তোমাদের স্থায়ী ঠিকানা ও একটি হচ্ছে গচ্ছিত স্থল। নিশ্চয় আমি প্রমাণাদি বিস্তারিত ভাবে বর্ণনা করে দিয়েছি তাদের জন্যে, যারা চিন্তা করে।

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

और वही तो है, जिसने तुम्हें अकेली जान पैदा किया। अत: एक अवधि तक ठहरना है और फिर सौंप देना है। उन लोगों के लिए, जो समझे हमने निशानियाँ खोल-खोलकर बयान कर दी है



Al-An'aam (6:99)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَهُوَ ٱلَّذِيٓ أَنزَلَ مِنَ ٱلسَّمَآءِ مَآءً فَأَخۡرَجۡنَا بِهِۦ نَبَاتَ كُلِّ شَيۡءٍ فَأَخۡرَجۡنَا مِنۡهُ خَضِرًا نُّخۡرِجُ مِنۡهُ حَبًّا مُّتَرَاكِبًا وَمِنَ ٱلنَّخۡلِ مِن طَلۡعِهَا قِنۡوَانٌ دَانِيَةٌ وَجَنَّٰتٍ مِّنۡ أَعۡنَابٍ وَٱلزَّيۡتُونَ وَٱلرُّمَّانَ مُشۡتَبِهًا وَغَيۡرَ مُتَشَٰبِهٍۗ ٱنظُرُوٓاْ إِلَىٰ ثَمَرِهِۦٓ إِذَآ أَثۡمَرَ وَيَنۡعِهِۦٓۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكُمۡ لَأٓيَٰتٍ لِّقَوۡمٍ يُؤۡمِنُونَ

اور وہ ایسا ہے جس نے آسمان سے پانی برسایا پھر ہم نے اس کے ذریعہ سے ہر قسم کے نبات کو نکا پھر ہم نے اس سے سبز شاخ نکالی کہ اس سے ہم اوپر تلے دانے چڑھے ہوئے نکالتے ہیں، اور کھجور کے درختوں سے یعنی ان کے گپھے میں سے خوشے ہیں جو نیچے کو لٹکے جاتے ہیں اور انگوروں کے باغ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

اور زیتون اور انار کہ بعض ایک دوسرے سے ملتے جلتے ہوتے ہیں اور کچھ ایک دوسرے سے ملتے جلتے نہیں ہوتے۔ ہر ایک کے پھل کو دیکھو جب وہ پھلتا ہے اور اس کے پکنے کو دیکھو ان میں دلائل ہیں ان لوگوں کے لئے جو ایمان رکھتے ہیں

It is He Who sends down water (rain) from the sky, and with it We bring forth vegetation of all kinds, and out of it We bring forth green stalks, from which We bring forth thick clustered grain. And out of the date-palm and its spathe come forth clusters of dates hanging low and near, and gardens of grapes, olives and pomegranates, each similar (in kind) yet different (in variety and taste). Look at their fruits when they begin to bear, and the ripeness thereof. Verily! In these things there are signs for people who believe.

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

তিনিই আকাশ থেকে পানি বর্ষণ করেছেন অতঃপর আমি এর দ্বারা সর্বপ্রকার উদ্ভিদ উৎপন্ন করেছি, অতঃপর আমি এ থেকে সবুজ ফসল নির্গত করেছি, যা থেকে যুগ্ম বীজ উৎপন্ন করি। খেজুরের কাঁদি থেকে গুচ্ছ বের করি, যা নুয়ে থাকে এবং আঙ্গুরের বাগান, যয়তুন, আনার পরস্পর সাদৃশ্যযুক্ত এবং সাদৃশ্যহীন। বিভিন্ন গাছের ফলের প্রতি লক্ষ্য কর যখন সেুগুলো ফলন্ত হয় এবং তার পরিপক্কতার প্রতি লক্ষ্য কর। নিশ্চয় এ গুলোতে নিদর্শন রয়েছে ঈমানদারদের জন্যে।

और वही है जिसने आकाश से पानी बरसाया, फिर हमने उसके द्वारा हर प्रकार की वनस्पति उगाई; फिर उससे हमने हरी-भरी पत्तियाँ निकाली और तने विकसित किए, जिससे हम तले-ऊपर चढे हुए दान निकालते है - और खजूर के गाभे से झुके पड़ते गुच्छे भी - और अंगूर, ज़ैतून और अनार के बाग़ लगाए, जो एक-दूसरे से भिन्न भी होते है। उसके फल को देखा, जब वह फलता है और उसके पकने को भी देखो! निस्संदेह ईमान लानेवाले लोगों को लिए इनमें बड़ी निशानियाँ है



Al-An'aam (6:100)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَجَعَلُوا۟ لِلَّهِ شُرَكَآءَ ٱلْجِنَّ وَخَلَقَهُمْ ۖ وَخَرَقُوا۟ لَهُۥ بَنِينَ وَبَنَٰتٍۭ بِغَيْرِ عِلْمٍ ۚ سُبْحَٰنَهُۥ وَتَعَٰلَىٰ عَمَّا يَصِفُونَ

Yet, they join the jinns as partners in worship with Allah, though He has created them (the jinns), and they attribute falsely without knowledge sons and daughters to Him. Be He Glorified and Exalted above (all) that they attribute to Him.

তারা জিনদেরকে আল্লাহর অংশীদার স্থির করে; অথচ তাদেরকে তিনিই সৃষ্টি করেছেন। তারা অজ্ঞতাবশতঃ আল্লাহর জন্যে পুত্র ও কন্যা সাব্যস্ত করে নিয়েছে। তিনি পবিত্র ও সমুন্নত, তাদের বর্ননা থেকে।

और लोगों ने जिन्नों को अल्लाह का साझी ठहरा रखा है; हालाँकि उन्हें उसी ने पैदा किया है। और बेजाने-बूझे उनके लिए बेटे और बेटियाँ घड़ ली है। यह उसकी महिमा के प्रतिकूल है! यह उन बातों से उच्च है, जो वे बयान करते है!



Al-An'aam (6:101)

بسم الله الرحمن الرحيم

بَدِيعُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ أَنَّىٰ يَكُونُ لَهُۥ وَلَدٌ وَلَمْ تَكُن لَّهُۥ صَٰحِبَةٌ وَخَلَقَ كُلَّ شَىْءٍ وَهُوَ بِكُلِّ شَىْءٍ عَلِيمٌ

He is the Originator of the heavens and the earth. How can He have children when He has no wife? He created all things and He is the All-Knower of everything.

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

তিনি নভোমন্ডল ও ভূমন্ডলের আদি স্রষ্টা। কিরূপে আল্লাহর পুত্র হতে পারে, অথচ তাঁর কোন সঙ্গী নেই ? তিনি যাবতীয় কিছু সৃষ্টি করেছেন। তিনি সব বস্তু সম্পর্কে সুবিজ্ঞ।

वह आकाशों और धरती का सर्वप्रथम पैदा करनेवाला है। उसका कोई बेटा कैसे हो सकता है, जबकि उसकी पत्नी ही नहीं? और उसी ने हर चीज़ को पैदा किया है और उसे हर चीज़ का ज्ञान है



Al-An'aam (6:102)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكُمُ ٱللَّهُ رَبُّكُمْ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ خَٰلِقُ كُلِّ شَيْءٍ فَٱعْبُدُوهُ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ وَكِيلٌ

Such is Allah, your Lord! La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), the Creator of all things. So worship Him (Alone), and He is the Wakil

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

(Trustee, Disposer of affairs, Guardian, etc.) over all things.

তিনিই আল্লাহ তোমাদের পালনকর্তা। তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই। তিনিই সব কিছুর স্রষ্টা। অতএব, তোমরা তাঁরই এবাদত কর। তিনি প্রত্যেক বস্তুর কার্যনির্বাহী।

वही अल्लाह तुम्हारा रब; उसके सिवा कोई पूज्य नहीं; हर चीज़ का स्रष्टा है; अतः तुम उसी की बन्दगी करो। वही हर चीज़ का ज़िम्मेदार है



Al-An'aam (6:103)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَّا تُدْرِكُهُ ٱلْأَبْصَٰرُ وَهُوَ يُدْرِكُ ٱلْأَبْصَٰرَ وَهُوَ ٱللَّطِيفُ ٱلْخَبِيرُ

اس کو تو کسی کی نگاہ محیط نہیں ہوسکتی اور وہ سب نگاہوں کو محیط ہو جاتا ہے اور وہی بڑا باریک بین باخبر ہے

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

No vision can grasp Him, but His Grasp is over all vision. He is the Most Subtle and Courteous, Well-Acquainted with all things.

দৃষ্টিসমূহ তাঁকে পেতে পারে না, অবশ্য তিনি দৃষ্টিসমূহকে পেতে পারেন। তিনি অত্যন্ত সুক্ষদর্শী, সুবিজ্ঞ।

निगाहें उसे नहीं पा सकतीं, बल्कि वही निगाहों को पा लेता है। वह अत्यन्त सूक्ष्म (एवं सूक्ष्मदर्शी) ख़बर रखनेवाला है



Al-An'aam (6:104)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَدْ جَآءَكُم بَصَآئِرُ مِن رَّبِّكُمْ فَمَنْ أَبْصَرَ فَلِنَفْسِهِۦ وَمَنْ عَمِيَ فَعَلَيْهَا وَمَآ أَنَا۠ عَلَيْكُم بِحَفِيظٍ

اب بے شبہ تمہارے پاس تمہارے رب کی جانب سے حق بینی کے ذرائع پہنچ چکے ہیں سو جو شخص دیکھ لے گا وہ اپنا فائدہ

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

کرے گا اور جو شخص اندھا رہے گا وہ اپنا نقصان کرے گا،
اور میں تمہارا نگران نہیں ہوں

Verily, proofs have come to you from your Lord, so whosoever sees, will do so for (the good of) his ownself, and whosoever blinds himself, will do so to his own harm, and I (Muhammad SAW) am not a watcher over you.

তোমাদের কাছে তোমাদের পালনকর্তার পক্ষ থেকে নিদর্শনাবলী এসে গেছে। অতএব, যে প্রত্যক্ষ করবে, সে নিজেরই উপকার করবে এবং যে অন্ধ হবে, সে নিজেরই ক্ষতি করবে। আমি তোমাদের পর্যবেক্ষক নই।

तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से आँख खोल देनेवाले प्रमाण आ चुके है; तो जिस किसी ने देखा, अपना ही भला किया और जो अंधा बना रहा, तो वह अपने ही को हानि पहुँचाएगा। और मैं तुमपर कोई नियुक्त रखवाला नहीं हूँ



Al-An'aam (6:105)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَكَذَٰلِكَ نُصَرِّفُ ٱلْءَايَٰتِ وَلِيَقُولُوا۟ دَرَسْتَ وَلِنُبَيِّنَهُۥ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ

اور ہم اس طور پر دلائل کو مختلف پہلوؤں سے بیان کرتے ہیں تاکہ یہ یوں کہیں کہ آپ نے کسی سے پڑھ لیا ہے اور تاکہ ہم اس کو دانشمندوں کے لئے خوب ظاہر کردیں

Thus We explain variously the Verses so that they (the disbelievers) may say: "You have studied (the Books of the people of the Scripture and brought this Quran from that)" and that We may make the matter clear for the people who have knowledge.

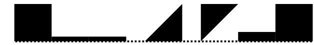
এমনি ভাবে আমি নিদর্শনাবলী ঘুরিয়ে-ফিরিয়ে বর্ণনা করি

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

যাতে তারা না বলে যে, আপনি তো পড়ে নিয়েছেন এবং যাতে আমি একে সুধীবৃন্দের জন্যে খুব পরিব্যক্ত করে দেই।

और इसी प्रकार हम अपनी आयतें विभिन्न ढंग से बयान करते है (कि वे सुने) और इसलिए कि वे कह लें, "(ऐ मुहम्मद!) तुमनेकहीं से पढ़-पढ़ा लिया है।" और इसलिए भी कि हम उनके लिए जो जानना चाहें, सत्य को स्पष्ट कर दें



Al-An'aam (6:106)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

ٱتَّبِعْ مَآ أُوحِىَ إِلَيْكَ مِن رَّبِّكَ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ وَأَعْرِضْ عَنِ ٱلْمُشْرِكِينَ

آپ خود اس طریق پر چلتے رہئے جس کی وحی آپ کے رب تعالیٰ کی طرف سے آپ کے پاس آئی ہے، تعالیٰ کے سوا کوئی لائق عبادت نہیں اور مشرکین کی طرف خیال نہ کیجئے

Follow what has been inspired to you (O

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

Muhammad SAW) from your Lord, La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He) and turn aside from Al-Mushrikun.

আপনি পথ অনুসরণ করুন, যার আদেশ পালনকর্তার পক্ষ থেকে আসে। তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই এবং মুশরিকদের তরফ থেকে মুখ ফিরিয়ে নিন।

तुम्हारे रब की ओर से तुम्हारी तरफ़ जो वह्यो की गई है, उसी का अनुसरण किए जाओ, उसके सिवा कोई पूज्य नहीं और बहुदेववादियों (की कुनीति) पर ध्यान न दो



Al-An'aam (6:107)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوْ شَآءَ ٱللَّهُ مَآ أَشْرَكُوا۟ وَمَا جَعَلْنَٰكَ عَلَيْهِمْ حَفِيظًا وَمَآ أَنتَ عَلَيْهِم بِوَكِيلٍ

اور اگر تعالیٰ کو منظور ہوتا تو یہ شرک نہ کرتے اور ہم

نے آپ کو ان کا نگران نہیں بنایا۔ اور نہ آپ ان پر مختار ہیں!

Had Allah willed, they would not have taken others besides Him in worship. And We have not made you a watcher over them nor are you set over them to dispose of their affairs.

যদি আল্লাহ চাইতেন তবে তারা শেরক করত না। আমি আপনাকে তাদের সংরক্ষক করিনি এবং আপনি তাদের কার্যনির্বাহী নন।

यदि अल्लाह चाहता तो वे (उसका) साझी न ठहराते। तुम्हें हमने उनपर कोई नियुक्त संरक्षक तो नहीं बनाया है और न तुम उनके कोई ज़िम्मेदार ही हो



Al-An'aam (6:108)

﷽

وَلَا تَسُبُّوا۟ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ فَيَسُبُّوا۟ ٱللَّهَ عَدْوًۢا بِغَيْرِ عِلْمٍ كَذَٰلِكَ زَيَّنَّا لِكُلِّ أُمَّةٍ عَمَلَهُمْ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّهِم مَّرْجِعُهُمْ فَيُنَبِّئُهُم بِمَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

And insult not those whom they (disbelievers) worship besides Allah, lest they insult Allah wrongfully without knowledge. Thus We have made fair-seeming to each people its own doings; then to their Lord is their return and He shall then inform them of all that they used to do.

তোমরা তাদেরকে মন্দ বলো না, যাদের তারা আরাধনা করে আল্লাহকে ছেড়ে। তাহলে তারা ধৃষ্টতা করে অজ্ঞতাবশতঃ আল্লাহকে মন্দ বলবে। এমনিভাবে আমি প্রত্যেক সম্প্রদায়ের দৃষ্টিতে তাদের কাজ কর্ম সুশোভিত করে দিয়েছি। অতঃপর স্বীয় পালনকর্তার কাছে তাদেরকে প্রত্যাবর্তন করতে হবে।

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

তখন তিনি তাদেরকে বলে দেবেন যা কিছু তারা করত।

अल्लाह के सिवा जिन्हें ये पुकारते है, तुम उनके प्रति अपशब्द का प्रयोग न करो। ऐसा न हो कि वे हद से आगे बढ़कर अज्ञान वश अल्लाह के प्रति अपशब्द का प्रयोग करने लगें। इसी प्रकार हमने हर गिरोह के लिए उसके कर्म को सुहावना बना दिया है। फिर उन्हें अपने रब की ही ओर लौटना है। उस समय वह उन्हें बता देगा. जो कुछ वे करते रहे होंगे



Al-An'aam (6:111)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوْ أَنَّنَا نَزَّلْنَآ إِلَيْهِمُ ٱلْمَلَٰٓئِكَةَ وَكَلَّمَهُمُ ٱلْمَوْتَىٰ وَحَشَرْنَا عَلَيْهِمْ كُلَّ شَىْءٍ قُبُلًا مَّا كَانُوا۟ لِيُؤْمِنُوٓا۟ إِلَّآ أَن يَشَآءَ ٱللَّهُ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَهُمْ يَجْهَلُونَ

And even if We had sent down unto them angels, and the dead had spoken unto them, and We had gathered together all things

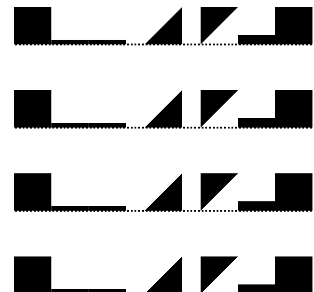
Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

before their very eyes, they would not have believed, unless Allah willed, but most of them behave ignorantly.

আমি যদি তাদের কাছে ফেরেশতাদেরকে অবতারণ করতাম এবং তাদের সাথে মৃতরা কথাবার্তা বলত এবং আমি সব বস্তুকে তাদের সামনে জীবিত করে দিতাম, তথাপি তারা কখনও বিশ্বাস স্থাপনকারী নয়; কিন্তু যদি আল্লাহ চান। কিন্তু তাদের অধিকাংশই মুর্খ।

यदि हम उनकी ओर फ़रिश्ते भी उतार देते और मुर्दे भी उनसे बातें करने लगते और प्रत्येक चीज़ उनके सामने लाकर इकट्ठा कर देते, तो भी वे ईमान न लाते, बल्कि अल्लाह ही का चाहा क्रियान्वित है। परन्तु उनमें से अधिकतर लोग अज्ञानता से काम लेते है



[redacted]

U.N. DOCUMENTED 1,800 SETTLER ATTACKS IN THE WEST BANK IN THE NINE MONTHS SINCE THE START OF THE ISRAEL-HAMAS WAR, AVERAGING FOUR ATTACKS A DAY. THAT'S DOUBLE THE DAILY AVERAGE DURING THE SAME PERIOD LAST YEAR, ACCORDING TO AIDA, A COALITION OF NONPROFITS AND OTHER GROUPS WORKING IN THE TERRITORY. THE VIOLENCE HAS KILLED 10 PEOPLE IN TOTAL, INCLUDING TWO CHILDREN, AND HAS INJURED 234 PEOPLE, THE GROUP SAYS..

TO TARIQ HATHALEEN, THE SETTLERS AND THE STATE ARE WORKING TOWARD THE SAME GOAL: EXPELLING HIS COMMUNITY FROM THEIR LANDS. UMM AL-KHAIR RESIDENTS SAY THEY HAVE LIVED THERE SINCE THEY WERE EXPELLED FROM THE NEGEV DURING WHAT'S REFERRED TO AS THE “NAKBA” — ARABIC FOR CATASTROPHE — WHEN ROUGHLY 700,000

Palestinians fled or were driven out of what today is Israel.

################################

The U.N.'s top court on July 19 Decicively Brands Israel's decades-long occupation of Palestinian territory is "illegal" and needed to end without loss of lives Any further.....

The court has found that Israel's continued presence in the Palestinian Territories is illegal," ICJ presiding judge Nawaf Salam said, adding: "Israel must end the occupation as rapidly as possible."

The ICJ added that Israel was "under an obligation to cease immediately all new settlement activities and to evacuate all settlers" from occupied land.

Israel's policies and practices including the building of new settlements and Israel's continued maintainance

of a wall between the territories "amount to annexation of large parts" of the occupied territory, it said.

Firstly, the court should examine the legal consequences of what the U.N. called "the ongoing violation by Israel of the right of the Palestinian people to self-determination".

This relates to the "prolonged occupation, settlement and annexation of the Palestinian territory occupied since 1967" and "measures aimed at altering the demographic composition, character and status of the Holy City of Jerusalem".

In June 1967, Israel crushed some of its Arab neighbours in a six-day war, seizing the West Bank including east Jerusalem from Jordan, the Golan Heights from Syria, and the Gaza Strip and Sinai Peninsula from Egypt.

in 1967,Israel then began to settle the 70,000 sq. km of seized Arab territory.now Half of Palestine Land has been seized and Given to illegal yehudy settlers from U.S.,U.K.,Europe,Russia,etc and strangulatin the Muslims by Inhuman Devilish Strategies,like bulldozing Muslim houses,Occupying thier Lands ,Waterbodies, Barricading entire Civilian poplations,Restricting Muslims Movements,Obstructing Supply of essentialsto Muslims,Starvation is the latest Weapon being used in Gaza and Wast Bank,

The U.N. later declared the occupation of Palestinian territory illegal, and Cairo regained Sinai under its 1979 peace deal with Israel.



SCORE BOARD OF ONE SIDED NEVER

ENDING MISMATCH SINCE 1914....GENOCIDE _قتال،ملهمةIN GAZA,FILISTINE

ثبورا كثيرا مستمرا فى غدة

منMEELAADIYYAH١٩١٤/1914A.D.

MISSING ,UNTRACEABLE,UNACCOUNTED FOR ,UNDER THE DEBRIS..ETC...2,00,000

PEOPLE CRUSHED,BULLDOZED,BURIED ALIVE BY WAR TANKS..

ALHAYYU ALLADEENA DUMMIROO

BIL.DABBAABAAT...HAYYAN...20000+++

MAQTOOLEENA...125000+++

MAJROOHEENA....400000++++

ATFAAL,WA NISAAA....95000+++

TULLAABU _STUDENTS KILLED 15000+++

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥
Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

Buyootu allaatee Dummirat
bilTaaeraat,Qumbulaat,dabbaabaat,
wa ghairihaaa.....98%
Jannaat wa Huqool hurriqat bil qumbulaat
min bhosbhorus....90%
Saafinaatu liSydil Asmaak alBahriyyati
allaatee dummirat..wa Hurriqat....100%

(Thirsty_)Atshaanoona wal
(Hungry_Famished.)Jawwaanoona bi ghyril
(withoutH2o)Maaa, watTaami (without
Food+Eats)walLibaasi(without
dresses),...wakulliAshyaayin
(necessities)Tahtaaju Kullu Insaanin wa
Hayawaanin...30,00,000.+++
*Annissaaau allaatee Rummilat wa
qutilat.....wa wukkilat Bi kilaabil
Askiriyyatil yehoodiyyati...
⋆AlShaabbu alldeena dummiroo bil

DABBAABAAT,....20000

*AL MARDAA ALLADEENA QUTTILOO FI MUSTAOSHAFAAT.......WA ALLAAHU AAALAMU

* AL ATFAAL ALLAATY QUTILAT BI ADAM WAJOODI ADVIYYAT WA MUAALIZAAT,WA AAKSIJEN...02_WA BIQILLATIL ASHIYAAIL DARORIYYATI....

HIGHLY DECOMPOSED MUTILATED DEAD BODIES WITHOUT VITAL ORGANS FOUND...20000+++

INNOCENT UNARMED CIVILIAN PRISONERS IN ISRAELI MILITARY JAILS......50000+++,

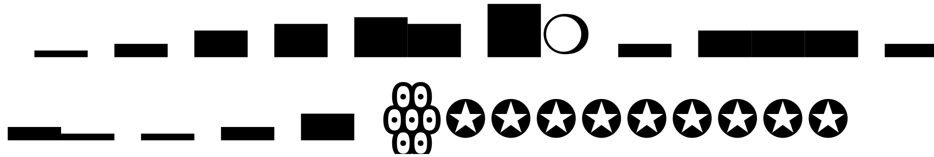
WA ALLAAHU AAALAMU

Still westren Educated drug addicted deluded dajjaaly Fahaashy Mis_lame Princes are supporting the malUooniyyeen....waillullahum ajmaeeen...aameen ya rabbal aalameena...

*WALLAAHU AALAMU BIL HAQEEQTI.

GOD KNOWS THE TRUTH AND WATER KNOWS THE

DEPTHS.



Look at the Vomity Comity of Notions,Uno,

Demonocratic Venom Spewing west...Created an Enormous human tragegdy in Palestine....even after 108 years Palestinian Muslims are suffering, More than 10,00,000 homes ,Mosques,Villages,Town,Cities of peaceful citizens have been BullDozed,,Lakhs of Muslims have been killed,Millions transformed into Refugees...killing and destruction of homes is the State sponsored Tyrranical Policy of the Culturally Vulturized blood thirsty ,Sadists since 110+ years......watching the inhuman Tragedies Gleefully on their Media ......are the gftl BananaLands....

.....Baitul Maqdis....Aqsa may go the Babar way.....The demon of God disLoyal_Qaabid_Disrael is working overtime in destruction,killings,murders and GENOCIDAL mayhem...spreading Fasaad...through Mossaaad....of late .this State sponsored Terror Technology is being exported to barre kabaaer....of course for a

hefty Fee.

The latest score o2/03/2024////ALjazeera channel..the ACTUAL FIGURES ARE CERTAINLY MORE....MANY buried UNDER THE DEBRIS ....of 400,000 Houses/.Appartments../स्कूल्स/कॉलेजेस/ होस्पिटल्स/हॉस्पिशियस/यूनिवर्सिटीज ,पब्लिक बिल्डिंग्स,WAGHYRA..... గాజాగాజుగడ్డ తాజాగా రక్తసిక్తమైపోయే,ఇళ్ళు అన్నీ నేలమట్టం.....10,000, బుల్లుడోజర్లు రేయింబవళ్ళు పరుగెడుతున్నాయి....ఆక్రమితం,! అన్యాక్రాంతం!, అమానుషం! వైద్యం అమేధ్యం!ఆఘోరం!! అపార అన్యాయం,అఖుండిత అమానుష అంతులేని దానవతాండవం, ఐనా రాక్షసనరభక్షకరక్తపిపాస తీరలే \\\\\

\\\\\\\\

కలలు పండే కాలమంతా కనుల ముందే కదిలిపోయే..

లేతమనసుల చిగురుటాశలు.. పూతలోనే రాలిపోయే..

\\\\\\\\

జాలితలచి కన్నీరు తుడిచే దాతలే కనరారే..

చితికి పోయిన జీవితమంతా చింతలో చితి ఆయే..

\\\\\\\\

Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَـٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

నీడ చూపే నెలవు మనకూ నిదుర(చావు)యేరా తమ్ముడా..

\\\\\\\\

హాయ్ రే దున్యా! హమ్ ప్యార్ కే భీ హక్ దార్ నహీ!

\\\\\\\\

CONTINUED MILITARY FUNDING FOR ISRAEL AMID GAZA INVASION........

THE UNITED STATES IS BY FAR THE BIGGEST FUNDER OF THE ISRAELI MILITARY, PROVIDING MORE THAN $30BN IN AID ANNUALLY.,BESIDES FINANCIAL GRANTS ,AND MANY OTHER HIDDEN CONCESSIONS, PRESENTLY, US IS SENDING AN ADDITIONAL $140BN TO SUPPORT TEL AVIV'S GENOCIDAL,నరసంహార\నరరూపరాక్షస,\నరేంద్ర\OPERATIONS IN GAZA.

WASHINGTON SENT GUIDED-MISSILE CARRIERS AND F-35 FIGHTER JETS, AS WELL AS OTHER MILITARY EQUIPMENT TO TEL AVIV

[redacted] The head of the Hamas Political Bureau, and former Palestinian Prime Minister, Ismail Haniyeh was assassinated in Iran early on Wednesday, said the Palestinian resistance movement, drawing fears of wider escalation in a region shaken by Israel's war in Gaza and a worsening conflict in Lebanon.

Israel has sought to show that it can get to anyone, anywhere. It has assassinated or attempted to kill leaders of Hamas and key operatives since the group was founded in 1987 during the first Palestinian uprising against the Israeli occupation of the West Bank and Gaza Strip.

Two years later, Hamas carried out its first attacks on Israeli military targets, including the kidnap and killing of two Israeli soldiers.

Here is a list of Palestinian leaders and operatives who were targeted by the most powerful and sophisticated military in the Middle East.

YAHYA AYYASH

Elusive Islamic militant mastermind behind a wave of Palestinian

suicide bombings nicknamed "The Engineer", was killed in what was then PLO-ruled Gaza on 5 January, 1996, when his mobile phone exploded in his hands. Palestinians blamed Israel, which declined to take responsibility. Hamas retaliated with four suicide attacks that killed 59 people in three Israeli cities over nine days in February and March.

READ: Haniyeh was the pragmatic leader of Hamas

KHALED MESHAAL

Haniyeh's predecessor as head of the Hamas Political Bureau, Khaled Meshaal, became known around the world in 1997 after Israeli agents injected him with poison in a botched assassination attempt on a street outside his office in the Jordanian capital Amman.

The hit was ordered by Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu. It so enraged Jordan's then-King Hussein that he spoke of hanging the would-be killers, who were using fake Canadian passports and had been apprehended, and scrapping Jordan's peace treaty with Israel unless the antidote was handed over.

Israel did so in exchange for the would-be assassins, and also

agreed to free Hamas leader Sheikh Ahmed Yassin, only to assassinate him seven years later in Gaza.

AHMED YASSIN

Israel killed the quadriplegic co-founder and spiritual leader of Hamas, Sheikh Ahmed Yassin, in a helicopter missile strike on 22 March, 2004 as he left a mosque in Gaza City in his wheelchair. Israel had attempted to kill him in 2003 while he was at the house of a Hamas member in Gaza.

Thousands of Palestinians marched in Gaza shouting calls of revenge and threatened to “send death to every home” in Israel.

His killing led to widespread protests and condemnation from the Palestinian territories and the broader Muslim world, and marked a significant escalation in the Israeli-Palestinian conflict, underlining the deep-seated tensions and the challenges of achieving peace in the region.

ABDEL AZIZ AL-RANTISI

An Israeli helicopter missile strike on a car in Gaza City killed Hamas leader Abdel Aziz Al-Rantisi on 17 April, 2004. Two bodyguards were also killed. The Hamas leadership went into

hiding and the identity of Rantisi's successor was kept secret.

His assassination came shortly after he had taken over as leader of the movement in Gaza following the killing of Sheikh Ahmed Yassin.

ADNAN AL-GHOUL

The Hamas master bomber was killed in an Israeli air strike in Gaza City on 21 October, 2004. Al-Ghoul was number two in the military wing of Hamas and was known as the "Father" of the Qassam rocket, a makeshift missile fired into Israeli towns.

NIZAR RAYYAN

A cleric widely regarded as one of Hamas's most hard-line political leaders, Nizar Rayyan had called for renewed suicide bombings inside Israel. Two of his four wives and seven of his children were also killed in the bombing in Jabalia refugee camp on 1 January, 2009. Days later, an Israeli air strike killed Hamas's interior minister, SAEED SEYYAM, in the Gaza Strip on 15 January. Seyyam was in charge of 13,000 police and security men in the enclave.

MAHMOUD AL-MABHOUH

One of the founders of the Hamas armed wing, Mahmoud

Al-Mabhouh was killed by what was reported to be a "massive electric shock to the head" and then "strangled" in his hotel room in Dubai on 20 January, 2010. It is believed that a team of Israeli Mossad agents carried out the assassination using false "European passports". Al-Mabhouh was a member of the Hamas Political Bureau when it was based in Damascus.

SALEH AL-AROURI

An Israeli drone strike on Beirut's southern suburbs of Dahiyeh killed Deputy Hamas chief Saleh Al-Arouri on 2 January, 2024. Al-Arouri was also a founder of the movement's military wing, the Qassam Brigades.

ISMAIL HANIYEH

Ismail Haniyeh was assassinated in the early hours of Wednesday morning in Iran, said the Palestinian resistance movement.

Iran's Revolutionary Guards confirmed Haniyeh's killing, which happened just hours after he attended a swearing-in ceremony for the country's new president. The IRG said it was investigating the attack on the building where he was attacked and killed.

Iranian media reported that this was "a special residence for war

veterans in north Tehran." Iran's Nour News said that Haniyeh's residence was hit by an airborne projectile.

Gaza: Two Palestinian journalists killed in Israeli bombing

Turkiye FM: 'Israel's unconditional supporters are complicit in Gaza massacre'

Palestinians mourn after an Israeli attack at the Et-Tabiin school where displaced people took shelter in the Ed-Deraj neighborhood in Gaza City, Gaza on August 10, 2024. [Dawoud Abo Alkas - Anadolu Agency]

Palestinians mourn after an Israeli attack at the Et-Tabiin school where displaced people took shelter in the Ed-Deraj neighborhood in Gaza City, Gaza on August 10, 2024. [Dawoud Abo Alkas – Anadolu Agency]

At least 100 Palestinians were killed early this morning when the Israeli military bombed the Al-Taba'een school in the Al-Daraj neighbourhood in eastern Gaza City.

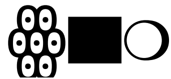
The school was housing displaced civilians. Dozens were injured in the attack.

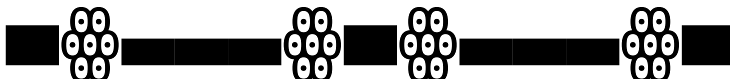
Israeli military aircraft targeted the school while worshippers were performing the fajr (dawn) prayer, the Palestinian news agency Wafa reported.

Eyewitnesses said they could hear women and children screaming after the bombing but couldn't reach them.



MUSLIMS MAY WONDER WHAT THE TABLEAGUEY JAMAAT WITH MANY BRANCHES IN FILISTINE IS DOING There -extending GFTL services?to the Behudaa Yehoodis??????





Source: Imam Ahmed Raza Academy



❍TABLEEGHI JAMAAT CENTRES IN ISRAEL

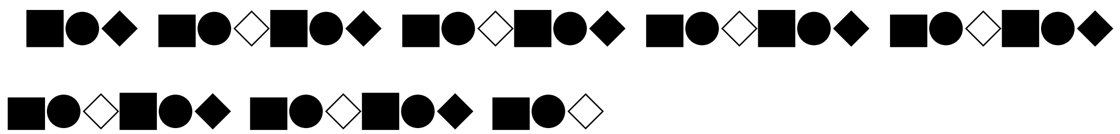
Israel has granted the Tableeghi Jamaat permission to establish propagation centres. The Tableeghi Jamaat are to oppose Hamas

and destroy the spirit of Jihad amongst the Palestinians. Will the Tableeghi Jamaat really serve Islam in attempting to destroy the spirit of Jihad amongst the Palestinians?

According to the "Weekly Takbeer" (19-10-95, Karachi, Pakistan), Israel has granted the Tableeghi Jamaat permission to establish propagation centres. The Jamaat has already set up offices close to government buildings in Tel Aviv and Jerusalem. On the 7th of October 1995, Abdul Mahdi, leader of the delegation of Palestinians and now living in Jordan, said upon arriving in Raiwind that the deputation of Tableeghi Jamaat members in Israel had not even uttered a word of protest at the Israeli brutality unleased on Palestinians.

According to the "Daily Assas" (19-09-95, Lahore), even the worst enemies of Islam do not consider the Tableeghi Jamaat as a threat or harmful to them because the Tableeghi Jamaat not only abstains from any form of Jihad but also considers it an absolute prohibition. This is evident in the history of their activities. It is with these facts in mind that the Israeli authorities have allowed the

Tableeghi Jamaat to establish 24 centres in Israel. Members of the Tableeghi Jamaat travelling from India to Raiwind in Pakistan were allowed special Air Charter facilities by the Indian authorities which is otherwise not available to other Muslims.



Tableeghi Jamaat Exposed

The movement of Tableeghi Jamaat is being utilised by the enemies of Islam as an effective instrument in their struggle to prevent the emergence of a true Islamic movement in Europe and elsewhere in the world. Therefore, it is incumbent on all Muslims to disown it and discourage its activity in every way. The British were continually looking for ways of infiltrating and subverting Islam. They kept, through their comprehensive spy network, a very careful eye, on any new Muslim group and movement. The Tableeghi Jamaat was set up under the British Rule in India. After closely watching the Jamaat for some time, the British realised that here was exactly what they were looking for, a movement that totally absorbed the energy of its members and yet did not

threaten British domination in any way as the doctrine of Jihad was totally absent in this movement. They saw that instead of the Jamaat's directing their energies outwardly towards their legitimate Kaafir enemies, was now directed inwardly towards the rest of the Muslims. Therefore, it was a group that was allowed to flourish. This news was spread to other interested parties.



TABLEEGHI JAMAAT'S ROLE UNDER PUPPET MUSLIM GOVERNMENTS: The Jamaat has also flourished under the puppet governments of Muslim countries who rule in the name of they Kaafir paymasters (Israel, America, Britain, France, etc.) - thousands upon thousands as well-behaved, submissive Muslims praying in their mosques, quite content to live under a system which is opposed to Islam in every way and which is openly dedicated to the suppression of true Islam wherever it emerges.

SOME OF THEIR MAKRUH? PRACTICES

(1) EATING AND SLEEPING IN MOSQUES : Uninvited, they take over the local mosques for days at a time, sleeping and eating in

them and imposing their own programme in complete disregard of the actual needs and on-going organisation of the community concerned.

(2) RECRUITMENT DRIVES: They also cause great offence to Muslims in the way that they disrupt the worship in the mosques they visit by they announcements immediately after the Fard prayers and their offensive recruitment drives. As a result of which is to keep away from the mosque many people who would normally be present. They encourage and force poorer ignorant Muslims to leave their family and places of work for 3, 10, 20, 40, etc. days and go out for Ghast, while they themselves, belonging to the upper strata in society have accumulate enough wealth to live comfortable lives. We often hear their women-folk, of course, after being brainwashed by their husbands, as saying "Allah will give us Jannat for allowing our husbands to go in the path of Allah."

(3) THEY REGARD ALL OTHERS AS INFERIOR MUSLIMS: They always treat those not in the Jamaat as inferior beings in need of guidance. They often repeat the same speeches regardless of the

people that they are speaking to. Much of their activity is based on having a bad opinion of Muslims, something in fact forbidden by Allah and completely contrary to the Messenger (sallal laahu alaihi wasallam), who, as we know, refused to listen to anything that would give him a bad opinion of any of the Muslims. In "Teachings of Islam" they condemn all Muslims as only being involved in vice and sinning. Besides, 99.9% of their devotees in South Africa belong to the Gujerati community and look down upon other ethnic groups!

(4) IGNORING THE MESSAGE OF ISLAM TO BE GIVEN TO THE KUFAAR: They address their message solely to Muslims, the vast majority of whom are as knowledgeable or more knowledgeable than they themselves are, ignoring the Kaafir populations among whom they move, who actually are the people to whom the message should be directed. Allah's words are frequently, and sometimes specifically, directed towards the Kufaar and the efforts of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) and the Companions (radiya'allahu 'anhum ajma'een) were devoted to

conveying Islam to them (kuffar). Even when they visit the African townships, their only aim is to "convert" the poorer African Muslims (who have already reverted to Islam) to their brand of Islam. In fact, they do not even pass the message of Islam to the non-Muslims in the townships.

(5) LARGE NUMBERS THAT ATTEND THE IJTIMA: If the leaders of the Tableeghi Jamaat are sincere, let them hold their next annual gathering on the East bank of Jordan and let them cross the river and march to Al-Quds and liberate it from Jewish/Zionist occupation. Let them hold their Ijtima near the Babri Masjid and capture the mosque. Lem them hold their Ijtima near the Shia' centre in Ottawa and take over the centre in defence of true Sunni beliefs. They would not! The Jamaat is only interested in increasing its number and wasting the energy of thousand and thousand of Muslims.

When the Tableeghi Jamaat is asked about their complete indifference to the dominance of the Kufaar, they say "We are not yet strong enough to do anything yet." Yet, they boast of the large

numbers that attend their Ijtima's. The Quran says that if you are a hundred, steadfast, you will overcome two hundred and if there are a thousand of you, you will overcome two thousand by Allah's permission (Surah al-Anfal: 65-6). The Tableeghi Jamaat's lack of strength cannot be considered as a valid excuse.

And speaking about the mass Nikahs that take place at the Ijtimas, which is by the way, a meeting place of the rich upper class, the grooms are immediately shoved off to sleep in some mosque for 40 days. And after 40 days, these "spiritually enlightened" individuals qualify as Molvis!

THE UNANSWERED QUESTIONS:

The Jamaat claims that it is a Sunnah of the Prophets and the Sahaba and, on the other hands, it says that Molvi Ilyas is the founder of this movement. The questions we ask, are:-

1. If, in reality, this is a Sunnah of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) as claimed, then it must be proven by authentic Islamic books that the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) and his

Sahaba also used to form Jamaats and do Ghast and Tableegh of Kalimah and Namaaz amongst Muslims.

2. Why was this Sunnah ignored for
1,446 years? Do we classify all the past spiritual luminaries as anti-Sunnah?

3. If this is a Sunnah practice, then surely Molvi Ilyas cannot be its founder. But, if he is the founder, then obviously this type of Tableegh did not exist before him. It is a Bid'ah!

It is the religious duty of the members of Tableeghi Jamaat to clarify the position with their Tableegh work and deceiving the Muslim community. The answers are obvious. This is a new movement founded by a Molvi Ilyas and definitely not a Sunnah.

THE AQEEDA OF THE TABLEEGHI JAMAAT

To have good and strong Imaan, one must have the proper Aqeeda. It is for this reason that we quote a few un-Islamic beliefs of the leaders of the Tableeghi Jamaat together with the proper

Islamic answers. The present Molvis and devotees of the T. Jamaat refuse to condemn the persons who wrote such bad beliefs and to even disassociate themesleves from such false beliefs. The un-Islamic beliefs which we have quoted below are quotations from those individuals who possess such beliefs and by writing them in this handbill, we have no intention of Kufr.

FALSE BELIEF 1: "Allah can speak lies". ("Barahine Qaatia" by Khaleel Ambetwi; "Yakrozi" by Ismaeel Dehlwi; "Fatawa Rasheedia" by Rasheed Ahmed Gangohi).

ANSWER: Lies is a defect which is not worthy of the Zaat of Almighty Allah and is totally Muhaal (Impossible) for Almighty Allah. Allah is free from all shortages and defects thus making lies Muhaal for Almighty Allah.

FALSE BELIEF 2: "The Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) had died and is mixed in the sand." ("Taqweeyat-ul Imaan" by Ismaeel Dehlwi).

ANSWER: It has been stated in the Hadith: "Verily, Almighty Allah has made it Haraam upon the earth to eat the bodies of the

Ambiya". It has also been stated that Ambiya are alive and are blessed with Sustenance from Almighty Allah.

FALSE BELIEF 3: "Every creation, no matter how big or small, is equivalent to a cobbler before Allah." ("Taqweeyat-ul Imaan" by Ismaeel Dehlwi).

ANSWER: The Holy Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) is the most beloved Nabi of Almighty Allah. Almighty Allah took Qasm (Oath) even on the city of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam). He is the greatest of the creations of Almighty Allah. His every word is accepted in the Court of Allah. He is a perfection in the Attributes of Almighty Allah and Allah has not created any unique being besides Sayyiduna Rasoolullah (sallal laahu alaihi wasallam).

FALSE BELIEF 4: "To think of an ox and donkey in Salaah is permissible, but to think of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) in Salaah is Shirk (Polytheism)." ("Seerate Mustaqeem" by Ismaeel Dehlwi).

ANSWER: For a Muslim to perform any Ibaadat accepting that it is

a noble action of Rasoolullah (sallal laahu alaihi wasallam) is the true sense of Ibaadat. If one reads Namaaz thinking of it as the Sunnah of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam), then, without doubt, one will think of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam). This belief creates in the mind of the performer the thought of the Holy Prophet (sallal laahu alaihi wasallam). Not only is the thought of the Prophet in Namaaz permissible, it is also the demand of Shari'ah that one must remember the Holy Prophet (salall laahu alaihi wasallam) at the time of Tasha'hud. According to the Fuqaha (Jurists) it is Waajib to believe that the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) is observing you and that he is aware of your actions.

FALSE BELIEF 5: Any person who says the Nabi to be Haazir and Naazir is a Kaafir. ("Jawaahirul Quraan" by Ghulaamullah Khan).

ANSWER: Until and unless we do not accept Rasoolullah (sallal laahu alaihi wasallam) as being Haazir and Naazir, the concept of Risaalat will be incomplete. Our Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) is Shaahid, Mubashir and Nazeer.

FALSE BELIEF 6: To commemorate the Meelad is like commemorating the function of the Hindu deity. ("Baharine Qaatia" by Khaleel Ambethwi).

FALSE BELIEF 7: If Allah wills, then he may create a million Muhammads. ("Taqweeyatul Imaan") A Prophet can even come after Muhammad (sallal laahu alaihi wasallam). ("Tahzeerun Naas")

ANSWER: The doors of Prophethood have been sealed. Muhammad (sallal laahu alaihi wasallam) is the Seal of Prophethood. The Prophet also said that no Prophet shall come after him. Any person who claims Nabuwat after the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam) is a Liar, Dajjal Kazaab and a Shaitaan.

FALSE BELIEF 8: "Rahmatul Lil Alameen" (Mercy unto the Worlds) is not a special title of the Prophet (sallal laahu alaihi wasallam), but the Ummati are also "Rahmatul Lil Alameen". ("Fatawa Rasheedia")

ANSWER: "Rahmatul Lil Alameen" is the unique quality of

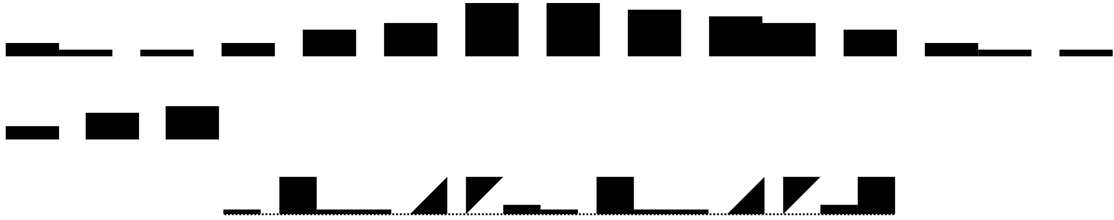
Rasoolullah (sallal laahu alaihi wasallam) as stated in the Holy Quran.

Note: To believe all these above mentioned false "Islamic" beliefs makes one a hypocrite, and one is included in the ranks of the Shia, Rafazi, Khaarijite, Qadiani, Ghair-Muqallid , Tabligi, Deobandi, Maudoodi, Ahle Quran (People of Quran), etc. which are totally out of Islam. Any person who falsely claims to be the true Mahdi is misguided and a Faasiq. Any person who says that Allah can lie, that the Prophet's (sallal laahu alaihi wasallam) knowledge are like those of animals, that the Prophet Muhammad (sallal laahu alaihi wasallam) is not the Final Messenger, that the swearing of the Sahaba does not make one a criminal, that the Prophet's knowledge is less than Shaitaan, etc. IS A KAAFIR (totally out of the folds of Islam). We should not perform Salaah or associate with such persons as their companionship is detrimental to our Imaan.

IN CONCLUSION:

We therefore call on all Muslims to disown the Tableeghi Jamaat

and to discourage its activities by refusing to give its members permission to sleep in mosques and to use them for their activities. And we call on all Muslims to reject the modernist perspective of Islam that they have been given to and respond to Allah and His Messenger (sallal laahu alaihi wasallam) by dedicating their wealth and resources to see the totality of Islam once again re-established on the earth.



Document by Kristina Farhan , Tahseen Khadija,



dtp by jiddujaHoolan Zalooman with Technical help from ESciondiaAeioupPlleRajae,CCIE,







Quran Ayah: وَكُلُّهُمْ ءَاتِيهِ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فَرْدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے

Document Verified by Bowlanna MuttimooliFundewy,Chittoor,+ HadapZakatdecotey,Reddithopu,Ambur,Walajah ,Omrabad,Javadi,Vaniyambadi,T.N, + ChedaluPanditChembadi,Tirapati_Akkarampalle_Settigunta_Rangampeta,

Doxc.approved by ShahTogademuttipenda @

Palmanda,Kalikiri,Kandur,Guttapalem,Waligetla,Somala,

Chowdepalli,

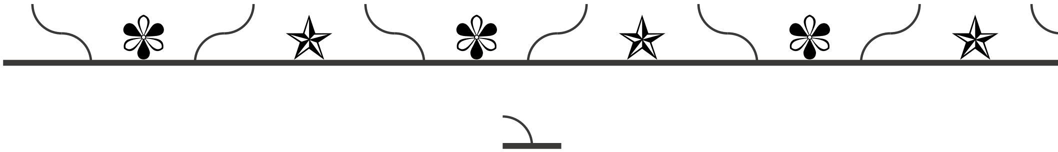
,+ Snake Mullamoolyzakatdecote@

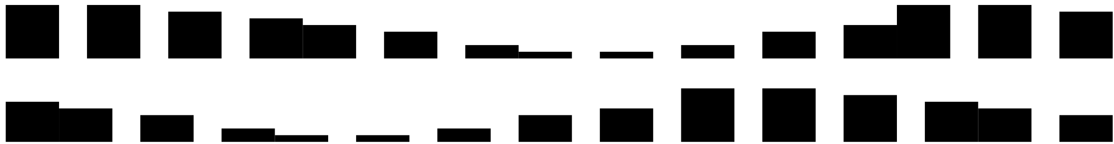
Peddagottigal,Chinnagottigal,Rompicherla,Bakarapaet,

Yeragondapalem,

+Murshad Gangeshter Aqrab@

Agguraram,Yanamala,Arbollapalli,Kallur,Piler,Doddipalli,.





Surah Name: 19 Maryam بسم الله الرحمن الرحيم

Quran Ayah: وَكُلُّهُمۡ ءَاتِيهِ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِ فَرۡدًا ٩٥

Translantion: اور سب قیامت کے دن اس کے سامنے اکیلے اکیلے حاضر ہوں گے